



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 7, 1981 (फाल्गुन 16, 1902)  
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 7, 1981 (PHALGUNA 16, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

विधिवत निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक  
केन्द्रीय कार्यालय  
सूचना

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1981

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री ए० एम० मरिअप्पन ने दिनांक 2 फरवरी, 1981 में मुख्य महाप्रबन्धक, कानपुर सक्रिल का पदभार ग्रहण किया।

दिनांक 16 फरवरी 1981

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री पी० के० सेन ने 16 फरवरी, 1981 में केन्द्रीय कार्यालय में मुख्य निरीक्षक (चल-सेवा) का पदभार ग्रहण किया।

दिनांक 17 फरवरी, 1981

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :

श्री सी० एल० खेमानी ने दिनांक 16 फरवरी 1981

से बैंक की ग्रामीण विकास संस्था, हैदराबाद में प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया।

आर० पी० गोयल, उप प्रबंध निदेशक  
कामिक एवं सेवाएं

दि इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

नई दिल्ली-110002, दिनांक 29 जनवरी 1981

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 20-सी० एम० (परीक्षा)/नवम्बर/80—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन, 1964 के रेगुलेशन 179 के अनुसरण में दि इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की कौंसिल को सामान्य जानकारी के लिए यह अधिसूचित करते हैं कि नवम्बर 1980 में सम्पन्न हुई कारपोरेट मैनेज-मेंट कोर्स (पार्ट I एवं II) की परीक्षा में कोई भी अभ्यार्थी सफल नहीं हुआ है :—

परिणामों का सारांश

पार्ट I

परीक्षा में बैठे अभ्यार्थियों की कुल संख्या  
उत्तीर्ण

2

## पार्ट II

परीक्षा में बैठे अभ्याथियों की कुल संख्या 1  
उत्तीर्ण —

पी० एस० गोपालकृष्णन, सचिव  
बी० राजारामन, अध्यक्ष

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 फरवरी 1981

सं० 5-सी० ए० (26)/80-81—इस संस्थान की अधि-  
सूचना नं० 4-सी० ए० (1)/19/79-80 दिनांक 15 मार्च  
1980, के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964  
के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया  
जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त  
अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखा-  
कार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री  
रामनिवास गोयल, एफ० सी० ए० 7-ए०-190, फरीदाबाद  
(हरियाणा) का नाम दिनांक 2 जनवरी 1981 से पुनः  
स्थापित कर दिया गया है। उनकी सदस्य संख्या 7545 है।

दिनांक 10 फरवरी 1981

सं० 8-सी० ए० (17)/80-81—रेगुलेशन 10 (1) की  
धारा (4) जिसे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेगुलेशन 1964  
के अधिनियम 10 (2) (बी०) के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार  
एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्यों को  
कार्य करने का प्रमाण-पत्र 1 अगस्त 1980 से रद्द समझे  
जाएँ क्योंकि उन्होंने वर्ष 1980-81 के लिए कार्य प्रमाण-  
पत्र हेतु वार्षिक शुल्क का भुगतान 31 जुलाई तक नहीं  
किया :—

क्र० सदस्यता नाम एवं पता  
सं० संख्या

1. 4146 श्री रंजीत सिंह भंडारी, एफ० सी० ए०  
ई-63, मस्जिद मोठ, ग्रेटर कैलाश  
इन्कलेव-II  
नई दिल्ली-110 048
2. 4330 श्री त्रिलोक चन्द जैन, एफ० सी० ए०,  
5526, नई सड़क  
दिल्ली-110006
3. 5331 श्री रामेश चन्द जैन, एफ० सी० ए०  
बी०-68, विवेक विहार  
दिल्ली-110 032
4. 9171 श्री विवेन्द्र वाशेर, एफ० सी० ए०  
एनगंजोबी सुलायेमन एंड कं०  
54-ई०, एडो ब्यूरो रोड  
पी० ओ० बाक्स 1223  
कनो

- | क्र० सं० | सदस्यता संख्या | नाम एवं पता   |
|----------|----------------|---|
| 5.       | 9706           | श्री विनोद कपूर, ए० सी० ए०,<br>होईवेस्ट अफगानिस्तान ए० जी०,<br>पी० ओ० बाक्स 477, काबुल<br>अफगानिस्तान           |
| 6.       | 10030          | श्री मदन गोपाल, एफ० सी० ए०,<br>पी० ओ० बाक्स 580,<br>तनजानिया आडिट कोर्पोरेशन<br>दार-ई० एस०—सालाम<br>तनजानिया    |
| 7.       | 10040          | श्री अमरनाथ नागपाल, ए० सी० ए०,<br>बी० बी० 260, साल्ट लेक<br>कलकत्ता-700 064                                     |
| 8.       | 11273          | श्री प्रमोद कुमार गर्ग, एफ० सी० ए०<br>502, निर्मल टावर, 26, बाराखम्बा रोड<br>नई दिल्ली-110 001                  |
| 9.       | 12004          | श्री के० सुयम्बुराज ए० सी० ए०<br>35, राम नगर<br>नई दिल्ली-110 055   |
| 10.      | 12446          | श्री ब्रिज मोहन मैनगी, एफ० सी० ए०<br>डी०-60, नारायना विहार<br>नई दिल्ली-110 028                                 |
| 11.      | 13986          | श्री विनोद कुमार पासी, ए० सी० ए०<br>873, ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग<br>नई दिल्ली-110 005                          |
| 12.      | 14099          | श्री विनोद कुमार नागपाल, एफ० सी० ए०<br>ई० 184, ग्रेटर कैलाश-I<br>नई दिल्ली-110 048                              |
| 13.      | 15912          | श्री प्रमोद कुमार गुप्ता, ए० सी० ए०<br>1240, रंग महल, बिहार्डिन्ड नावली<br>सिनेमा, कपूनस रोड<br>दिल्ली-110 006  |
| 14.      | 16028          | श्री कपील कुमार गुप्ता, एफ० सी० ए०,<br>सी०/ओ० मिस्टर जे० पी० गुप्ता, 77,<br>कटरा अशरफी<br>चांदनी चौक<br>दिल्ली। |
| 15.      | 16085          | श्री हरी श्राम गोयल, ए० सी० ए०,<br>295 (एम० आई० जी०) प्रशाद नगर<br>नई दिल्ली-110 005                            |
| 16.      | 17907          | श्री दीपक मेहता, ए० सी० ए०<br>26, 25, ईस्ट पटेल नगर<br>नई दिल्ली-110 008  |

क्र० सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	क्र० सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
17.	80167	श्री हेमन्त कुमार गोयल, ए० सी० ए० 14-यू० बी० बंगलो रोड, विल्ली-110 007	1.	15606	श्री राज कुमार, ए० सी० ए० एफ-28, अशोक बिहार-I दिल्ली-110 052।	21-9-80
18.	80180	श्री दीपक मधोक, ए० सी० ए० डी०-125, ईस्ट आफ कैलाश नई दिल्ली।	2.	80224	श्री गिरिश चन्द्रा चोपड़ा, ए० सी० ए० बी०/3-बी०, 35-सी, जनकपुरी नई दिल्ली-110 058	21-6-80
19.	80272	श्री राम गोपाल, ए० सी० ए० 169, बिरला ओल्ड लाईन्स विल्ली-110 007।	3.	80980	श्री अशोक कुमार अग्रवाल, ए० सी० ए० सी०/ओ० एसोसियेटेड पल्प एंड पेपर मिल्स लिमिटेड बी०—जयदेव चैम्बर्स, सैकिण्ड फ्लोर आश्रम रोड अहमदाबाद-9।	27-6-80
20.	80274	श्री अनिल कुमार शर्मा, ए० सी० ए० थर्ड फ्लोर, फ्लैट नं० 8, महालक्ष्मी मार्केट, भागीरथ प्लेस, चांदनी चौक दिल्ली-110 006।	4.	81132	श्री प्रवीन कुमार गुप्ता, ए० सी० ए० टाटास सिजुआ कोल्सीरी पी० ओ० बेलारेंड जिला धनबाद	11-9-80
21.	80298	श्री हरविन्द्र पाल सिंह मन्चन्दा, ए० सी० ए० 3/15-ए०, असाफली रोड नई दिल्ली।	5.	81150	श्री विरेन्द्र कुमार गांधी, ए० सी० ए० एकाउन्ट्स आफिसर इंडियन आयल कोर्पोरेशन लि० (आर० डी०) गुजरात रिफाईनरी पी० ओ० जवाहर नगर-391320 जिला-बड़ौदा (गुजरात)	23-6-80
22.	80525	श्री सुशील कुमार भामन, ए० सी० ए० सी०/ओ० वर्धमैन स्पोर्टिंग एंड जनरल मिल्स लि० चन्दीगढ़ रोड लुधियाना।	6.	81357	श्री राज कुमार, ए० सी० ए० 1128, तिमार्पुर दिल्ली-110 007	16-9-80
23.	80873	श्री सुभाष चन्द्रा शर्मा, ए० सी० ए० ए-513, प्रगति विहार होस्टल नियर दयालसिंह कालेज, लोधी रोड नई दिल्ली-110023।				
24.	80889	श्री अशोक कुमार बग्गा, ए० सी० ए० 114, भारत नगर (भूर) गाजियाबाद-210 001				
25.	81123	श्री संजीव कपूर, ए० सी० ए० फ्लैट नं० 172, डी० डी० ए० प्रशाद नगर, एम० आई० जी० नई दिल्ली-110 005।				

पी० एस० गोपालाकृष्णन्, सचिव

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

सं० 8-सी० ए० (18)/80-81—चार्टर्ड प्राप्त लेखा-कार विनियम 1964 के विनियम 10 (1) खंड (तीन) के अनुसरण में यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र उनके आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र रखने के दृष्टिकोण नहीं हैं :—

सं० 4-ई० सी० ए० (7)/80-81—चार्टर्ड प्राप्त लेखा-कार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उप-धारा 1 (क) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण श्री आर्यकुमार घोष, 92-बी, सप्तापारनी, 58/1, बालीगंज सरकूलर रोड, कलकत्ता-700019

का नाम 3 मार्च 1980 से हटा दिया है। उनकी सदस्यता संख्या 2670 थी।

पी० एस० गोपालाकृष्णन्, सचिव

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1981

स० 5-एस० सी० ए०/12/80-81—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-एस० सी० ए० (1)/9/79-80 दिनांक 15 मार्च, 1980 एव नं० 4-एस० सी० ए० (1)/10/78-79 दिनांक 5 मार्च 1979 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे की गई तिथि से स्थापित कर दिया है —

क्र० संख्या	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	4663	श्री डी० नटराजन्, ए० सी० ए० फ्लैट नं० 5, लक्की हाऊस थरटोनथ रोड, चेम्बूर बम्बई-400 071	5-1-1981
2.	18362	श्री पी० श्रीनिवासन, ए० सी० ए०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट 118-सी०, एम० के० भ्रमन कोईल स्ट्रीट माईलापोर मद्रास-600 004	21-1-1981

पी० एस० गोपालाकृष्णन्, सचिव

कानपुर, दिनांक 12 फरवरी 1981

स० 5-सी० सी० ए० (5)/80-81—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-सी० सी० ए० (7)/79-80 दिनांक 31 मार्च 1980 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री लक्ष्मन दास लखानी, ए० सी० ए०, चीफ एकाउन्टेन्ट्स आफिसर, चांदपुर सुगर क० लि०, चांदपुर, बिजनौर (यू० पी०) का नाम दिनांक 21 नवम्बर 1980 से पुनः स्थापित कर दिया गया है। उनकी सदस्य संख्या 70163 है।

स० 5-सी० सी० ए० (6)/80-81—इस संस्थान की

अधिसूचना नं० 4-सी० सी० ए० (1)/17/78-79 दिनांक 29 जनवरी 1979 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री टी० वी० जगन्नाथन् ए० सी० ए० 4, थीआगप्पा मुदाली स्ट्रीट किलपार्क, मद्रास-600 010 का नाम दिनांक 22 दिसम्बर 1980 से पुनः स्थापित कर दिया गया है। उनकी सदस्य संख्या 15694 है।

स० 5-सी० सी० ए० (7)/80-81—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-सी० सी० ए० (7)/79-80 दिनांक 31 मार्च 1980 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री सुरेश कुमार कोठारी, ए० सी० ए० गांव खान्दू बांसवारा (राजस्थान) का नाम दिनांक 5 दिसम्बर 1980 से पुनः स्थापित कर दिया गया है। उनकी सदस्य संख्या 9605 है।

स० 5-सी० सी० ए० (8)/80-81—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-सी० सी० ए० (7)/79-80 दिनांक 31 मार्च 1980 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री कन्हैया लाल टन्डन, ए० सी० ए०, सी०/श्री० श्री बदरी नाथ टन्डन नेपालगंज, (नेपाल), बाया पी० श्री० रूपाईदिहा, जिला बाहरीच (यू० पी०) का नाम दिनांक 3-1-1981 में पुनः स्थापित कर दिया गया है। उनकी सदस्य संख्या 15387 है।

पी० एस० गोपालाकृष्णन्, सचिव

दी इन्स्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स

• आफ इण्डिया

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1981

(कास्ट एकाउन्टेन्ट्स)

सी० डब्ल्यू० आर० (1) 81 दी वास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन्स 1959 में दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 की धारा 39 की उप-धाराओं (1) और (3) के द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए कुछ सशोधनों के निम्न प्रारूप सभी लोगों को सूचना के लिये प्रकाशित किया जाता है। इससे प्रभावित सभी लोगों को सूचना दी जाती है कि प्रारूप पर 18 मार्च 1981 या उसके बाद विचार किया जायेगा।

दो इन्स्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स के परिषद के द्वारा उपरोक्त प्रारूप के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से किसी प्रकार की आपत्ति या राय निश्चित दिनांक के पहले प्राप्त होगी तो उस पर विचार किया जायेगा।

कहे हुये रेग्युलेशनस में:—

(I) विनियम 25 ए में निम्न उप-विनियम जोड़ा जायेगा, यथा :

“बशर्ते कि कोई भी प्रार्थना पत्र विनियम 25 के अन्तर्गत पंजीकरण के दिनांक से एक वर्ष की अवधि के बाद स्वीकार नहीं किया जायेगा।”

(II) रेग्युलेशनस 29 का वर्तमान द्वितीय उप-विनियम जो अवगत प्रयोग हो चुका है, हटा दिया जायेगा।

(III) वर्तमान विनियम 30 के उप-विनियम (2) के लिये निम्नलिखित नया उप-विनियम स्थानापन्न किया जायेगा यथा :

“(2) किसी भी प्रार्थी को इन्टरमीडिएट परीक्षा के किसी एक या सभी ग्रुपों में प्रवेश दिया जायेगा, बशर्ते कि वह कहे हुए इस विनियम के उप-विनियम (1) के अनुसार प्रमाण-पत्र पेश करें।”

(IV) वर्तमान विनियम 31 के लिये निम्नलिखित नया विनियम स्थानापन्न किया जायेगा, यथा :

“31 इन्टरमीडिएट परीक्षा के लिए ग्रुप्स, पेपर्स तथा पाठ्यक्रम :

सभी छात्र जिनका इन्टरमीडिएट परीक्षा के लिये इस विनियम के अनुसार 1 अक्टूबर 1982 या उसके बाद पंजीकरण होगा उन्हें इसके लिये परीक्षा देनी होगी। जिन छात्रों का पंजीकरण 1 अक्टूबर 1982 के पहले होता है और जो इन्टरमीडिएट परीक्षा जो दिसम्बर 1983 से होने की है, उसके प्रार्थी हैं उन्हें भी इस विनियम के अनुसार परीक्षा देनी होगी। इस विनियम के अनुसार इन्टरमीडिएट परीक्षा के ग्रुप्स, पेपर्स तथा पाठ्यक्रम निम्नलिखित प्रकार के होंगे।

#### ग्रुप-I

मैनेजमेन्ट (प्रबन्ध) के सिद्धान्त तथा पद्धतियाँ :

(एक प्रश्न पत्र—समय 3 घंटे—पूर्णांक 100)

उद्देश्य : मैनेजमेन्ट (प्रबन्ध) के विधि का प्राथमिक ज्ञान प्रदान करना है ताकि कास्ट और मैनेजमेन्ट एकाउन्टींग के प्रासंगिक सामान्य विचार और प्रविधि का जिसका की वाद में विकास करना है अच्छी प्रकार से अभिमुखित किया जा सके।

ज्ञान का स्तर : प्राथमिक ज्ञान।

पाठ्यक्रम-मैनेजमेन्ट (प्रबन्ध) के सामान्य विचार—

मैनेजमेन्ट (प्रबन्ध) के विधि, योजना, संगठन कर्मचारी,

निर्देश तथा नियंत्रण/प्रबन्ध के विधि के अनुसार प्रबन्ध के कार्य के प्रकृति का निर्धारण करना प्रबन्ध के सिद्धान्तों की व्यापकता-प्रबन्ध के विचारों का क्रमिक विकास-प्रबन्ध के विचारों में तात्कालिक शुकाव—प्रबन्ध व्यवसाय के रूप में

(ए) योजना : (1) लक्ष्य, उद्देश्य, स्तर, लक्ष्य (टार-गेट) भाग, डेड लाइन, (2) स्थायी योजनाएँ, नीति, विधि और तरीका, (3) परियोजनाएँ—विशेष कार्यक्रम तथा तालिका करना, (4) योजना के समूह वर्ग या अनुभाग, वैमानिक या विभागीय, कार्यात्मक और वस्ती के ढंग की योजना, (5) योजना विधि : समस्या का प्रपत्र, वैकल्पिक के निर्णय तत्वों का जुटाना, विश्लेषण, कार्यवाही और निष्पादन पर निर्णय।

(बी) संगठन : व्यवसाय उद्यम के आन्तरिक गठन का प्रकृति : औपचारिक और अनौपचारिक संस्था, संस्था के सिद्धान्त कार्यों का वर्गीकरण, (ए) उत्पाद के द्वारा स्वाभाविक प्रतिरूप का वर्गीकरण, सेवाएँ, स्थाननिरूपण, क्रेता पद्धतियाँ, कार्य और समय, (बी) कार्यों के वर्गीकरण का मानदण्ड—विशेषीकरण, नियंत्रण, समन्वय अवधान, मितव्ययिता आदि अधिधार और दायित्व के पद का निर्णय करते हुये मुसम्पर्क की स्थापना, (ए) अधिकार का सामान्य विचार, प्रत्यायुक्ति, समादेश की शृंखला, अधिकार और दायित्व, विकेन्द्रीकरण नियंत्रक का मापदण्ड (बी) अधिकार के स्तर कर्मचारी के प्रकार, कर्मचारियों के कार्यों के प्रकृति, परामर्शदात्री सेवाएँ और नियंत्रण, पथ और कर्मचारी सम्बन्ध, (सी) पार्श्व भाग का सम्बन्ध-ममितियाँ और उनके क्रम।

(मी) कर्मचारीवर्ग : कर्मचारी कार्य, चयन, जनशक्ति की आवश्यकताएँ, जन-शक्ति की स्थिति, प्रशिक्षण, दर करना और मूल्यांकन, जनशक्ति विकास, मानव माधन का मूल्यांकन और लेखा।

(डी) निर्देश करना : निर्देश करने का प्रकृति : कारण : कारण का आधार, भय, मुद्रा सन्तोष, व्यवहार का महत्व, व्यक्ति की आवश्यकताएँ संस्था की आवश्यकताएँ, कार्य-संपादन पर माधन का प्रभाव, काम का वातावरण, संचार, ग्रुप डाइनामिक्स (वर्ग गतिशील) औपचारिक और अनौपचारिक।

संचार : प्रकृति, माध्यम और प्रणाली, विधि, रोध, सहायता, निर्माण किया हुआ, बिना निर्माण किया हुआ।

नेतृत्व : प्रकृति, ढंग (स्वैर मंत्री, परामर्श पूर्ण, स्वतन्त्र) मनोभाव, नेता का व्यवहार, नेता का प्रतिमान।

(इ) नियंत्रण : प्रबन्ध सम्बन्धी नियंत्रण का सामान्य विचार : कर्मचारी वर्ग व कार्यका नियंत्रण कार्य पालन पर नियंत्रण के क्षेत्र उत्पादन, वित्त, नैतिकता नियंत्रण की पद्धति, स्तर, मूल्यांकन और सटीक कार्यवाही, नियंत्रित सहायताएँ, अच्छे संगठन के ढाँचे, उद्देश्य और नीतियों की स्थिरता, तरीका पद्धति, बजट आदि।

सार्वजनिक प्रतिष्ठानों का प्रबन्ध-सिद्धांतों और प्रयोग  
पेपर-II व्यापार का आर्थिक वातावरण पूर्णांक-100  
उद्देश्य : कांस्ट्रान्ड मैनेजमेंट एकाउंटिंग और नियंत्रण  
के विशेष संदर्भ के साथ आर्थिक सिद्धांतों और प्रशिक्षण  
और आर्थिक शक्तियों का व्यापार के निर्णयों पर प्रभाव का  
ज्ञान प्रदान करना

ज्ञान का स्तर : प्राथमिक सामान्य ज्ञान और काम करने का  
ज्ञान ।

पाठ्यक्रम :

अनुभाग : सिद्धान्तिक ढांचा

- 1- व्यापार के वातावरण के तन्त्र : आर्थिक और अनार्थिक  
तत्त्वों उनके परस्पर सम्बन्ध का कार्य
- 2- आर्थिक पद्धति के प्रकृति और कार्यवाही : पूंजीवाद,  
समाजवाद और मिश्रित अर्थ व्यवस्था । आर्थिक पद्धति  
और आभापूर्ण लक्ष्यों की इकाई व्यापार इकाईयों  
का संगठन  
बाजार संपर्क
- 3- बेसिक मैक्रो-आर्थिक विचार : प्रत्येक प्रकार के  
आर्थिक समाज के मुख्य समस्याएं-पूर्ति और मांग,  
आरक्षित तत्त्वों-राष्ट्रीय आय और उत्पादन, समाजिक  
लेखा, बचत खपत और विनियोजनाएं—आय निर्णय,  
साधारण बहुगुणक सिद्धांत  
मुद्रा, बैंकिंग और साखः उनसे सम्बन्धित नीति ।  
आर्थिक विश्लेषण और आय विश्लेषण का संकलन,  
सार्वजनिक वित्त और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार—उनसे  
संबन्धित नीतियां ।  
वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक समस्याएं  
आय-असमताएं ।
- 4- किसी अर्थ व्यवस्था की रचना (अनाटोमि) और  
कार्य-कारिणी (फंक्शनींग)
- 5- आर्थिक नीतियां : राजस्व-विषयक, आर्थिक और भौतिक  
नीतियां (नियंत्रण और नियमन)
- 6- आर्थिक योजना : योजनाओं के सामान्य विचार और  
प्रकार-योजना में कदम, योजना के तकनीक विनियोजन,  
योजना, योजना में ग्रीडो प्राइसेस का प्रयोग—  
कन्सम्पशन योजना
- 7- चढ़ाव उतार और वृद्धि के आर्थिक समस्यायें मुद्रा-  
स्फीति, बेकारी, दी हेड-आफ और दूसरे विचारणीय  
विषय
- 8- आर्थिक मुकाव और रचना सम्बन्धी परिवर्तन : वृद्धि  
और विकास—दीर्घ-कालीन स्ट्राटेजी (व्यूह रचना)  
और नीति विगय-विकास और भौतिक वातावरण ।  
सेक्शन (भाग) II : भारत में व्यापार के वातावरण
- 1- भारत की आर्थिक समस्याएं और वातावरण, भारत  
की आर्थिक पद्धति, वर्तमान आर्थिक पद्धति के

उद्विकास-भारतीय अर्थ-व्यवस्था के विभिन्न वृत्तखंड  
(सेक्टर) यथा कृषि विषयक, औद्योगिक, व्यापार  
आदि

- 2- वर्तमान आर्थिक नीति के वितरण और प्रस्ताव :  
कृषि विषयक, औद्योगिक, आर्थिक राजस्व-विषयक  
बजट सम्बन्धी, विदेश व्यापार, मजदूरी, आय, मूल्य,  
सेवा योजन नीतियां और बहु राष्ट्रीय सम्बन्धी  
नीतियां
- 3- वातावरण को प्रभावित करने वाला आर्थिक विधान  
के रूप : कम्पनी कानून—एम० आर० टी० पी०  
एक्ट-एफ० इ० आर० ए०—पूजी विषयक नियंत्रण
- 4- राष्ट्रीय आर्थिक योजना : 1951 से योजनाबद्ध  
आर्थिक विकास, उद्देश्य, लक्ष्य की प्राप्ति, रूकावटें,  
पंचवर्षीय योजनाएं, नीजी, सार्वजनिक, अर्थ-व्यवस्था  
के संयुक्त और सहकारी सेक्टर पूंजी बाजार,  
उपभोग, विनियोजन और लिक्विडिटी कार्य
- 5- वर्तमान आर्थिक मुकाव और प्रवृत्तियां : आय बचत  
और विनियोजन, उपज के साधन, कृषि विषयक  
अवस्था, औद्योगिक अवस्था-विदेश व्यापार और  
भुगतान की दशा, मुद्रा, साख, वित्त और मूल्य-  
आर्थिक समस्याएं और भविष्य

पेपर-III व्यापारिक अंक शास्त्र और संख्य शास्त्र—पूर्णांक-100  
उस नींव को डालना है जिस पर आगे की राशि  
सम्बन्धी मुकाव (क्वालिटेटीम वापस की प्रविधि  
(टेक्नीक) का निर्माण किया जा सके और उनका  
प्रयोग व्यापारिक समस्याएं को हल करने में किया  
जा सके

ज्ञान का स्तर : प्राथमिक ज्ञान (समझ) और काम  
करने का ज्ञान

पाठ्यक्रम :

- सेक्शन : 1 व्यापारिक अंकशास्त्र पूर्णांक 50  
(ए) बीजगणित
- 1- रेशियो (सम्बन्ध), अनुपात, अन्तर, इन्डिकेस, सब्स  
(करणी), अंकगणित, रेखागणित सम्बन्धी और  
हारमनिक प्रगेशन, क्रम का जोड़ (समेशन आफ  
सीरीज), फिनिट आन्ड इन्फिनिट सीरीज । परिवर्तन  
और योग, द्विपट प्रमेय घातप्रभापक लघुगणक,  
बीजगणित के अंक सम्बन्धी और लघुगणक विधि  
सम्बन्धी, ब्याज और एन्युइटी ।
  - 2- वर्ग समीकरण के मूल के प्रकृति, वर्ग समीकरण के  
रूट (मूल) और को-इफिशिएंट के बीच का सम्बन्ध  
वर्ग समीकरण बनाना (वास्तविक को-इफिशिएंट  
इन्क्वालिटीस समानुपात, डिटरमिनान्ट, एन्ड  
प्राथमिक मैट्रिक्स : डिटरमिनान्टस ऑफ आन्डर 2  
एन्ड 3 मैट्रिक्स के प्रकार—मैट्रिक्स बीजगणित  
मैट्रिक्स प्रणाली के योग, घटाव, और गुणा

इन्वर्स आफ् मेट्रिक्स का प्रयोग और लिनियर समीकरण का हल

- 3- समीकरण और समानता: समीकरण के साधारण आकृति के विभिन्न अवस्था: लिनियर का हल, समकालीन वर्ग और सरल समीकरण

(बी) प्लेन एनालिटिक रेखागणित: आयताकार काट-सियता क्वाड्रिण्ट, किसी रेखा का भाग, सेक्शन रेजिओ, ग्रेडिएंट आफ् ए लाइन, सरल रेखाओं का साम्य परिधि, अनुवृत्त और हाइपरबोला (एक विशिष्ट प्रकार का भाप) (केवल स्टैण्डर्ड फॉर्मस)

(सी) कलन (काल-क्युलस): संख्या पद्धति का विकास, वेरिएबल्स, कान्सेप्ट्स एण्ड फंडेशनल्स, ग्राफ्स ऑफ कडकूशनल्स, बीजगणित सम्बन्धी कार्य की सीमा, व्युत्पत्ति-अलग्ग के लिये नियम, व्युत्पत्ति का अर्थ, आंशिक अलग्ग, बीजगणित सम्बन्धी कार्य के मीक्समा और मिनिमा, इन्टरग्रेशन (इन्टरग्रेशन बाई सब-स्टिट्यूट-शन् एण्ड बाई पार्ट्स) डेफिनिट, सम्पूर्ण (इन्टिग्रल) किसी एक क्षेत्र का पूरा

(डी) क्षेत्रमिति: वृत्त की स्थिति, त्रिभुज का क्षेत्र, समानान्तर चतुर्भुज, बहुभुजक्षेत्र, वृत्त (भाग सेक्टर), वृत्त-खण्ड, गोल को लेते हुए), टेढ़ा-मेढ़ा आकृति का क्षेत्रफल, वर्ग का घनफल और घरातल, आयत, बेलन के आकार का ठोस, सूचाकार पिरामिड शंकु, फ्रस्टस, पोलक (परिधि और वृत्तखण्ड को सम्मिलित करते हुए) तथा एडकर रिडिंग, समान आकृति का घरातल और भुजा

सेक्शन-II व्यापारिक संख्याशास्त्र पूर्णांक-50

प्रस्तावना: आंकड़े सम्बन्धी सूचना प्रस्तुत करने की विधि: रेखाचित्र, कोष्ठक (चार्ट) मानचित्र, फ्रीक्वेन्सी डिस्ट्रिब्यूशन मेजर आफ् सेण्ट्रल टेन्डेसिमीन, मीडियन, मोड-पेजर्स आफ् डिस्ट्रिब्यूशन, रेंज, सेमि-इन्टर, क्वार्टाइडस रेंज, मीन डी विऐशन, स्टण्डर्ड डी विऐशन, मेरिएस, मेजर आफ् स्क्वैरेड एण्ड कुरटोसिस।

प्रावविलिटि थीअरि (सिद्धान्त): सेट्स एण्ड सेट अपरेशनल्स, प्रावविलिटि की परिभाषा—

इनडिपेन्डेन्ट एण्ड डिपेन्डेन्ट इमेन्टस-म्ह्युजुअलि एक्सक्लू-सिव इमेन्ट्स, टोटल एण्ड कम्पाउन्ड प्रावविलिटि, पुनः परि-धायें, गणित-सम्बन्धी आशायें, थी अरिटिकलि (कल्पनापूर्वक) वितरण, वाइनेमिनल, पापसन एण्ड नार्मल एलिमेन्ट्स एण्ड सब-जेक्टिव प्रावविलिटि (वेइसियन) साम्प्रलिंग: पापुलेशन एण्ड सांपुल, साधारण रान्डम, आन्ड परतों में व्यवस्थित साम्प्रलिंग, रान्ड संख्याओं का प्रयोग, सिम्पुलेटेड सांप्रलिंग, साम्प्रलिंग वितरण, काल्पनिक तथा संख्या शास्त्र सम्बन्धी गणना की परीक्षा

पूर्वमास प्रविधि: वक्र रेखा युक्त तथा सबसे छोटा समकोण चतुर्भुज की विधि, परस्पर सम्बन्ध तथा प्रतीत-गमन (रिग्रेशन), बहु तथा आंशिक परस्पर सम्बन्ध, भाज्य (फैक्टर) विश्लेषण, टाइम सिरिज, सेकुलर ट्रेन्ड, कालचक्र के अनुसार, कालानुसार और अनियमित अस्थिरता।

मूत्रीपत्र संख्यायें

विपरीत (वेग्निन्स) का विश्लेषण

इन्टर्पोलेशन: (आगे, पीछे और केंद्र)

नियम (रूल्स) (नमवर प्रूफ्स निडेड)

ग्रुप-II (खण्ड-II)

4. व्यापार कानून

प्रश्न पत्र एक समय-2 घंटे

पूर्णांक-100

उद्देश्य:

प्राथमिक कानूनी सिद्धान्तों तथा सामान्य विचार जिनका प्रयोग व्यवसाय में होता है का ज्ञान (समक्ष) प्रदान करना है। प्राथियों से कानून के विभिन्न अनुभाग तथा उनकी व्याख्या किसी कानूनी मुकदमा के साथ का पूर्ण ज्ञान के प्रत्याशित होने का नहीं किया जायेगा।

ज्ञान स्तर: प्राथमिक ज्ञान (समक्ष)

पाठ्यक्रम:

अनुभाग-I (सेक्शन-I) वाणिज्य-सम्बन्धी कानून पूर्णांक-50

भारतीय संविदा अधिनियम,

वस्तु विक्रय अधिनियम,

भारतीय भागिता अधिनियम,

हुण्डी अधिनियम

अनुभाग-II (सेक्शन-II) औद्योगिक कानून (पूर्णांक-50)

दी फैक्टरी एक्ट,

औद्योगिक विवाद अधिनियम,

दी पेमेन्ट आफ् वेजेज एक्ट,

कर्मचारी राज्य जीवन बीमा अधिनियम,

कर्मचारी भविष्य निधि तथा विविध प्रबन्ध अधिनियम

बोनस भुगतान अधिनियम

अनुग्रह अनुदान भुगतान अधिनियम

5. लेखा-विधि (एकाउन्टेन्सी)

एक प्रश्न पत्र समय-3 घंटे

पूर्णांक-100

उद्देश्य:

लेखांकन के सिद्धान्तों तथा विभिन्न परिस्थितियों में उनका प्रयोग का पूर्ण ज्ञान प्रदान करना है।

ज्ञान स्तर: पर्याप्त और एप्लीकेशन ओरिएण्टेड

पाठ्यक्रम लेखांकन के सिद्धान्त, इकहरी तथा दोहरी खतान, लेजर, तलपट, निर्माणी व्यापार, लाभ-हानि तथा लाभ-हानि विशिष्ट खाते (एकाउन्ट्स), आर्थिक चिट्ठा, पूंजी एवं आय के बीच अन्तर, अवक्षयण, आरक्षित और व्यवस्था, आरक्षित तथा ऋण परिणाम कोष, चालू खाता और औसत देय तिथि, हुण्डी, पैकेज एन्ड कन्टेनर, पावेज, एण्ड ज्वाइन्टमेन्चर एकाउन्ट्स, भगिता लेखा के साथ, भागिता की समाप्ति, साख और उससे सम्बन्धित समस्यायें, धन-विनियोग लेखा, प्राप्ति तथा भुगतान, विभागीय लेखा तथा शाखा लेखा (विदेशी शाखा सहित), टोटल एकाउन्ट्स एण्ड

सेक्शनल बैलेन्सिंग, रायल्टी भाड़ा-क्रयन तथा फिस्त (प्रभाग) भुगतान क्रयन।

कम्पनी लेखा : देता (इश्यू), जवनी (फर्किचर)

तथा रिन्डेम्पशन आफ शेयर एण्ड डिबेंचर, सम्मिलन करने से पहले का लाभ, भाग करने योग्य लाभ तथा अंश (डिविडेन्ट), विवरण कम्पनीज एक्ट के अनुसार, विवरण पत्र और दूसरे लेखा-विधि नियम।

एक्काउन्टिंग रेगियो

अधूरे अभिलेखों से लेखा तैयार करना।

6. आडिटिंग एण्ड इन्टर्नल आडिटिंग के सिद्धान्त :

एक प्रश्न पत्र समय-3 घंटे पूर्णांक-100

उद्देश्य : सिद्धान्तों का परिज्ञान प्रदान करना, तत्त्वज्ञान, लेखा-परीक्षा (आडिटिंग) का विधि तथा प्रविधि ताकि एक ऐसी नींव डाली जा सके जिस पर कास्ट आडिट का सामान्य ज्ञान, प्रविधि और विधि स्थापित किया जा सके। इस प्रकार के सामान्य ज्ञान (समझ) को प्रदान करना है जिससे कैसे किसी फर्म ओपरेशन के आन्तरिक मूल्यांकन किया जा सके ताकि एक ऐसी नींव की स्थापना की जा सके जिस पर प्रबन्ध और सामाजिक अनुस्थापन के साथ अग्रिम सामान्य ज्ञान का विकास किया जा सके।

ज्ञान का स्तर : उन्नति स्तर।

पाठ्यक्रम :

अनुभाग-1 (सेक्शन-1) लेखा परीक्षा करने के सिद्धान्त  
पूर्णांक-50

आडिटिंग का विकास, आडिटिंग पर अधिक प्रभाव, आडिटिंग का प्रकृति और क्षेत्र—लेखा परीक्षा करने का प्राथमिक सामान्य ज्ञान—लेखा परीक्षा करने में प्रमाण का क्षेत्र

लेखा परीक्षा प्रविधि और अभ्यासक्रम—साधारण स्वीकृत लेखा परीक्षा का स्तर—लेखा परीक्षा करने में भौतिकत्व का सामान्य ज्ञान।

परिसम्पत्तियाँ और दायिताएँ का प्रमाणीकरण—स्थायी परिसम्पत्तियाँ विनियोजना, चल सम्पत्ति की विवरण सहित सूची, देनदार, ऋण और अग्रग्रहण, रोकड़ और बैंक शेषों, ऋण, ऋणपत्र, लेनदार, कर के लिये व्यवस्था, प्रस्तावित लाभांश और अनुग्रह अनुदान—आर्थिक चिट्ठा में दूसरे मंद। लाभ हानि खाता में मदों का जांच—खुदरा दायिताएँ—लेखा के नियम और अभ्यास का बन्द करना, बताने के अवधि के दौरान खर्च। गत वर्ष के लिये समायोजन, लेखा के सम्बन्ध में कम्पनी अधिनियम के व्यवस्थाएँ।

आन्तरिक नियंत्रण के प्रकृति—आन्तरिक नियंत्रण का विकास और लेखा परीक्षा, आन्तरिक नियंत्रण के प्रणायली, फ्लो चार्ट, सिस्टम आडिट, आन्तरिक लेखा परीक्षा करना।

आडिटिंग इन डेपथ—आडिटिंग में गणना सम्बन्धी निदर्शन क्षुब्ध के तुलना और विश्लेषण के लिये रेगियो और प्रतिशत—इन्टर-फर्म और इन्ट्रा फर्म तुलना।

लेखा परीक्षकों की नियुक्ति, पारिश्रमिक, अपनयन, लेखा परीक्षा के अधिकार, लेखा परीक्षकों के कर्तव्य, संयुक्त लेखा परीक्षक, शाखा लेखा परीक्षा।

आडिट रिपोर्ट—रिपोर्ट मरसेस सर्टिफिकेट, रिपोर्ट के विशेष वस्तु, रिपोर्ट में अधिकारिता।

विभाज्य लाभ, कम्पनी अधिनियम की व्यवस्थाएँ—महत्वपूर्ण कानूनी निर्णय, आय कर अधिनियम की व्यवस्थाएँ।

सेक्शन II इन्टर्नल आडिटिंग पूर्णांक 50

इन्टर्नल आडिटिंग का प्रकृति और क्षेत्र—वित्तीय भी एस० अपरेशनल आडिट-कान्सेप्ट्स आफ इकिसि-एन्सि आडिट, प्रोप्राइटी आडिट, वाउचर आडिट, कम्प्लाइअन्स आडिट, प्रिअनड पोस्ट आडिट, इन्पेक्ट जांच दी मैन्युफैक्चरिंग एण्ड अदर कम्पनीज (आडिटर्स रिपोर्ट) आडर 1975 आन दी इन्टर्नल आडिटिंग फंसन।

आन्तरिक लेखा परीक्षा करने के कार्य का संगठन, कर्मचारी वर्ग का चयन और प्रशिक्षण एसोसिएट आफ आडिट प्रजोक्टस—आर्गनाइजेशनल स्टेट्स आफ दी इन्टर्नल आडिटिंग फंसन-आडिट समिति के लिए क्षेत्र प्लानिंग दी इन्टर्नल आडिट प्रजोक्ट : परिचय कराना, चेक लिस्ट तैयार करना, आन्तरिक नियंत्रण प्रणायली, लेखा परीक्षा कार्यक्रम।

प्रमाण का जांच करना—डिटेल्ड चेकिंग भरसेस सेम्पलिंग प्लान्स, गणना सम्बन्धी निदर्शन जैसाकि आन्तरिक लेखा परीक्षा में किया जाता है।

फ्लो चार्ट प्रविधि

आन्तरिक नियंत्रण—प्रकृति और क्षेत्र, आन्तरिक लेखा परीक्षक और आन्तरिक नियंत्रण।

फील्ड वर्क, प्रमाण एकत्र करना, साक्षात्कार, मेमोरन्डा आडिट नोटिस एण्ड बकिंग पेपर्स।

आडिट रिपोर्ट—प्रभावशाली रिपोर्टिंग के प्रविधि, फासो अब आफ आडिट रिपोर्ट्स समरी रिपोर्ट्स, टू टाप मैनेजमेन्ट आन्तरिक लेखा परीक्षा करने में संचार।

इम्पुब्लिश आडिटर—आडिट सम्बन्ध

किसी व्यवसाय के कार्यों का लेखा परीक्षा करना, दया लेखा और वित्त, इन्वेन्टरी कन्ट्रोल, प्राप्त, उत्पादन मार्केटिंग, रख रखाव, कर्मचारी वर्ग शाखा और डिपोज, अनुसंधान और विकास आन्तरिक लेखा परीक्षक और घोषाघड़, वा खोज, आन्तरिक लेखा परीक्षा के कार्यों का आडिटिंग।

ग्रुप-III

कास्टिंग प्राइम कास्ट एण्ड ओवरहेड

प्रश्न पत्र-एक समय-3 घंटे पूर्णांक 1-00

उद्देश्य : लागत के विभिन्न अंगभूत तथा उनसे एक्काउन्टिंग और मैनेजमेन्ट कन्ट्रोल का गहरा अध्ययन कराना है।

ज्ञान का स्तर : अच्छे प्रकार का ज्ञान (समझ)



## पाठ्यक्रम :

कास्ट एकाउन्टिंग का विकास—लागत लेखा का अर्थ और प्रयोग, लागत का वर्गीकरण करना।

## मटेरियल (वस्तु)

क्रय करना और प्राप्त करना—वस्तु के कोड और वर्गीकरण, इन्वेन्टरी प्रबन्ध और नियंत्रण, अधिकतम न्यूनतम और प्राप्त आदेश का स्तर (६० ओ० क्यू०) का स्थिरीकरण, क्रय रिक्यूजिशन, क्रय आदेश, स्टैण्डिंग आर्डर वॉरंटिडि क्रय आदेश का फालो अप निरीक्षण, विक्रेता को लौटाना, वस्तु प्राप्ति नोट, प्राप्त वस्तुओं का मूल्यांकन करना।

स्टोरेज, अर्गनाइजेशन आन्ड मे आउट आफ स्टोर्स, मटेरियल हैंडलींग कॉस्ट, बीन कार्ड्स, स्टोर्स रुटिन,

इश्यू आफ मटेरियलस : स्टोर्स इश्यू रिक्यूजिशन, कारखाने से लौटाई गया वस्तुओं, इश्यू आन्ड रिटर्न वस्तुओं का मूल्यांकन, कन्जप्शन कन्ट्रोल,

वस्तु लेखा और स्टॉक नियंत्रण : स्टोर्स लेजर, डाइरेक्ट आन्ड इन्डाइरेक्ट मटेरियलस, मटेरियलस अक्स्टेक्ट, आउटपुट के प्रत्येक इकाई का मटेरियल कॉस्ट गणना घिरे गति और स्थिर या बिना काम लायक वस्तुओं का, खोज स्थिति और प्रतिबन्ध, मेटेनेन्स आफ इन्श्योरेन्स स्पेअर्स, वस्तु लागत रिपोर्टिंग।

फिजिकल वेरिफिकेशन : फिजिकल जांच कार्य का संघटन, फिरियाडिकल और परपेचुअल इन्वेन्टरी, अन्तर का खोज और विश्लेषण तदनुसार उसे ठीक करने के लिए सही कदम, अन्तर को ठीक करना।

श्रम : श्रम रुटिन, श्रम का वर्गीकरण, टाइम किपर, टाइम बुकिंग, पै रोल को तैयार करना, वेतन भुगतान पारिश्रमिक के सिद्धान्त और विधि, विभिन्न प्रकार के वेतन भुगतान और उत्प्रेरक पद्धति लेखा नियंत्रण और रिपोर्टिंग, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष श्रम, श्रम लागत का लेखा, श्रम लागत दर का गणना मेजर्स आफ परफार्मेंस आन्ड कॉस्ट, आडिल टाइम, लेबर टर्न ओवर, श्रम लागत रिपोर्टिंग प्रभार योग्य खर्च और उससे सम्बन्धित समस्याएँ।

## ओवर हेड : (ऊपरी व्यय)

वर्गीकरण : कार्य के अनुसार वर्गीकरण-उत्पादन, विक्रय, वितरण, प्रशासन, अनुसंधान और विकास, अस्थिरता के अनुसार वर्गीकरण फिक्स्ड,

## सेमो वेरिफिकल आन्ड वेरिफिकल

ओवर हेड कास्ट एकाउन्टिंग संग्रह, बांट, डिपार्ट-मेण्टनाइजेशन

## आन्ड ऑवसापैशन, ऑफ ओवर हेड कॉस्ट्स

उत्पादन का लेखा और नियंत्रण, विक्रय, वितरण, प्रशासन, अनुसंधान और विकास लागत। पूर्वनिर्धारित प्रत्याहारण दर का प्रयोग गणना, रिटमेन्ट ऑफ अन्डर एण्ड ओवर ऑवसापैशन ऑफ ओवर हेड कॉस्ट्स। रिपोर्ट फारकन्ट्रोल ऑफ ओवर हेड कॉस्ट्स

2489 GI/80

विविध : कैपेमिटि कॉस्टस् ट्रिमेन्ट आफ डिप्रिमिएशन इन कॉस्टस्।

## कास्टिंग : पद्धति और प्रविधि

प्रश्न पत्र- एक समय-3 घंटे पूर्णक-100 उद्देश्य:

विभिन्न प्रकार के उत्पादन व्यवसाय जो नाना प्रकार के उत्पादन पद्धति प्रयोग करते हैं उनके लागत मूल्य के विधि और प्रविधि तथा लागत मूल्य योजना और लागत नियंत्रण पर जोर देते हुए गहरा अध्ययन करना है।

## ज्ञान का स्तर : पूर्ण ज्ञान (समझ)

## पाठ्यक्रम :

लेखा, कॉस्ट लेजर, रिक्निमिएशन, ऑफ कॉस्ट और फिनान्सियल एकाउन्टिंग, इन्ट्रोल और इन्ट्रिग्रेटेड एकाउन्टिंग मेथड्स आफ कॉस्टिंग, जाव कॉस्टिंग, वैच कॉस्टिंग, कन्जक्ट कॉस्टिंग, प्रोसेज कॉस्टिंग, आपरेशन कॉस्टिंग, आपरेटिंग कॉस्टिंग यूनिट कॉस्टिंग, मन्टिपल कॉस्टिंग, बाई प्रोडक्ट्स आन्ड एवाइन्ट प्रोडक्ट्स।

लागत मूल्य प्रविधि और नियंत्रण के पद्धति

(ए) मार्जिनल कॉस्टिंग : प्राथमिक सामान्य ज्ञान, ब्रेक-इमेन विश्लेषण और कास्ट वालुम लाभ विश्लेषण, ब्रेक-इमेन चार्ट्स आन्ड प्राफिट चार्ट्स, विशेषक कॉस्ट विश्लेषण, मन्जिनल कॉस्टिंग प्रविधि भरसेस आवसापैशन कॉस्टिंग प्रविधि वे अन्तः स्टॉक का मूल्यांकन बजट और बजटरी नियंत्रण : उद्देश्य, फंक्शनल बजट फिक्स्ड आन्ड के फ्लेक्सिबल बजट-बजट का समय-बधुदरी कन्ट्रोल रिपोर्ट-बजट रिबीजनस

स्टैन्डर्ड कॉस्टिंग : सामान्य विचार और प्रयोग-एक्काउन्टिंग विधि और समाधान-स्टॉक मूल्यांकन

वेरिअन्स विश्लेषण : लागत लाभ और विक्रय से अन्तर वेरिअन्स को प्रस्तुत करना-वेरियन्स का खोज रिबिजन ऑफ स्टैन्डर्ड्स रिपोर्टिंग : रिक्यूजिशन ऑफ रिपोर्ट्स- मैनेजमेन्ट के द्वारा व्याख्या और प्रयोग।

## यूनिफार्म कॉस्टिंग और इन्टर फर्म तुलना

विविध : लागत मूल्य में विशेष खर्च जैसे अनुसंधान और विकास खर्च व्यवहार-प्राथमिक खर्च, ठीक करने का खर्च, कॉस्ट ऑफ आबसेन्तिन्सेस आदि, टूल्स, पेन्टर्स आफ डिजाइन, उत्पादकता, मेकिनजेशन आफ एक्काउन्ट्स, वेस्ट, स्क्रैपस, स्वालेस, डिफिक्टिव आदि का लेखा और नियंत्रण, कॉस्ट प्लस पद्धति।

प्रतिष्ठापन और संगठन : कॉस्ट एकाउन्टिंग की आवश्यकता और महत्व लागत मूल्य लेखा से प्रबन्ध क्या आशा करता है, कॉस्ट विभाग संगठन, और दूसरे विभागों से उसका सम्बन्ध, कॉस्टिंग पद्धति का प्रतिष्ठापन और उनका संशोधन, लेखा की योजना और प्रणति, डिजाइन ऑफ फार्बस एण्ड रिकार्ड्स।

## 9. उत्पादन, उत्पत्ति—कॉस्ट इकेविटनेस

प्रश्न पत्र—एक समय 3 घंटे पूर्णांक—100

उद्देश्य : उत्पादन के विधि और प्रविधि के प्राथमिक सामान्य ज्ञान (समझ) को प्रदान करना, साधनों के प्रभावकारी व्यवहार में ईकोनामिक्स और इस प्रकार के प्रविधि को अपनाना जिससे साधनों का अधिक से अधिक व्यवहार किया जाए।

ज्ञान का स्तर : प्राथमिक ज्ञान (समझ)

पाठ्यक्रम :

उत्पादन प्रक्रिया, मशीन और मशीन टूल्स के वर्ग, एसेम्बली लाइन्स, प्रोसेस प्लान्ट्स, बहुउद्देशीय प्लान्ट्स।

उत्पादन ईकोनामिक्स : उत्पादन इकाइयों की अवस्थिति में सम्बन्धित समस्याओं का विश्लेषण, सेवा और वितरण इकाइयाँ, प्राप्ति केन्द्र, ईकोनामिक्स ऑफ मल्टिसिप्टस, इमेनमिक्स प्रोडक्ट मिक्स, इकोनामिक्स ऑफ मल्टिसिप्टस, इकोनामिक्स प्रोडक्ट मिक्स, ईकोनामिक्स ऑफ ले आउट, कच्चा माल के प्रबन्ध में दक्षता, बहुउद्देशीय प्लान्ट्स का अधिकतम व्यवहार, रख रखाव, रोकथाम और ब्रेक डाउन उत्पाद योजना, क्षमता की राशि (स्केल और डिस्पेंसमेंट) प्रोसेस योजना, प्लान्ट योजना, कन्ट्रोलिंग क्वालिटी लेवल, (एस० व्यू० सी०), सुविधाओं का रख रखाव करना, फिनिश आउटपुट की तालिका करना, उत्पादन अवस्था को तालिका, उत्पादन मूल्य का नियंत्रण, प्रतिष्ठापित क्षमता का अधिकतम उपयोग, अनबैलेन्स्ड प्लान्ट्स का रेविटिफिकेशन, ईकोनामिक्स ऑफ स्वस्टिच्यूबिलिटी ऑफ प्रोडक्ट, बाजार, खेत, कच्चा माल, कर्मचारी वर्ग, क्वालिटी, पूर्ति आदि प्रोडक्ट यूजेज, अबसलेससेन्स-टेक्नालजिकल, और उत्पाद अबसलेससेन्स।

प्रमाणिकता और उत्पाद डिजाइन : उत्पादन के लिए संगठन—उत्पादन निर्णय-उत्पादन योजना और नियंत्रण प्रविधि।

प्रोडक्टिविटीज कन्सेप्ट और प्रविधि :

वर्क मेजरमेंट, वर्कमेजरमेंट के लाभ, वर्क मेजरमेंट के प्रविधि, टाइम स्टडी, वर्क सेम्पलिंग, टाइम रेकार्ड पूर्व निर्धारित टाइम स्टान्डर्ड वर्क इस्टिमेशन।

काम के माप प्रविधि ; एम० टी० एम० का प्रयोग।

जाब इमेल्गेशन, जाब विश्लेषण और स्पेसिफिकेशन, जाब इमेल्गेशन पद्धति, श्रेणी करने की विधि, जाब स्पेसिफिकेशन, विधि, काम के वर्गीकरण का विधि, फैक्टर कम्पे-रिजन्, विधिप्वान्ट विधि, जाब एमेल्गेशन, एण्ड मेरिट रेटिंग।

लागत मूल्य में कमी और मूल्य विश्लेषण : प्रविधि, सिद्धान्त और पद्धति, माप और इम्प्लिमेंटेशन।

श्रम, कच्चा माल, पूंजी और प्रबन्ध के उत्पत्ति का माप लॉगि कर्म।

ह्यूमन आसपेक्ट आफ प्रोडक्टिविटी (मोटिवेशन, मोरल, अनुशासन, परिवर्तन के लिये अवरोध, उत्प्रेरक आदि)।

v. विनियम 32 के उप विनियम (1) ; निम्नलिखित अन्त में जोड़ा जायेगा, यथा :

“इस विनियम और इसके उप-विनियम (2) और (3) के साथ और इसमें निश्चित किया पाठ्यक्रम 1 अक्टूबर 1983 से बन्ध हो जायेगा और उसी तिथि से हटा दिया जायेगा”

vi. विनियम 32ए में शब्दों इन्टरमीडिएट परीक्षा में किसी खाम विषयों में नीचे जैसा दिया जायेगा :

“(1) एक प्रार्थी जो उत्तीर्ण हो चुका है-----।” के लिये निम्नलिखित स्थानापन्न किया जायेगा यथा :

“(1) एक प्रार्थी जो एक छात्र के रूप में 1 अक्टूबर 1982 के पहले पंजीकृत हो चुका है, और वह उत्तीर्ण हो चुका है -----”।

vii. विनियम 32ए के वर्तमान उप-विनियम (1) की धारा (ए) में शब्दों विनियम 31 या “विनियम 32 में निर्धारित” जो कि अन्त में है हटा दिया जायेगा।

viii. विनियम 32ए के वर्तमान उप-विनियम (1) की धारा (बी) में नीचे के टेबल के कालम 1 में दिखाये गये विषयों, और शब्दों के लिए उस विषय में कालम II या कालम III में दिखाया गये उस पेपर से छूट दिया जायेगा, के लिए शब्दों “ईकोनामिक्स या डिजिटलिंग में, ईकोनामिक्स” या फैक्टरी अर्गनाइजेशन ऐण्ड इन्जीनियरिंग, जैसा भी हो उस पेपर से छूट दिया जायेगा को जोड़ा जायेगा।

IX. विनियम 32ए के वर्तमान उप विनियम (1) कालम्स i, ii और iii में और उसमें के कहे हुए कालम्स के विषयों को हटा दिया जायेगा।

X. विनियम 32 ए में वर्तमान उप-विनियम (2), (3) और (4) हटा दिया जायेगा।

XI विनियम 32 ए में निम्नलिखित ऐसे नये उप-विनियम (2), (3), (4) और (5) जोड़ा जायेगा, यथा :

“(2) उन छात्रों के विषय में जो 1 अक्टूबर 1982 या उसके बाद छात्रों के रूप में पंजीकृत हुये हैं उन छात्रों को जो भारत या विदेशों में ऐसी परीक्षाएं ऐसे व्यावसायिक संस्थाओं/निकायों से पास किये हो दृढ़ता से परस्पर आपस के सम्बन्ध के आधार पर किसी खाम विषय में छूट दी जा सकती है और इसके लिये परिषद द्वारा स्वीकृति दी जा सकती है, परिषद् के समय समय पर यह निर्णय करने का अधिकार रहेगा और निर्णय करेगा।

(3) परिषद को विनियम 25ए के अनुसार जो प्रार्थी एक नये पंजीकृत छात्र के रूप में प्रवेश पाया है

इन्टरमीडिएट परीक्षा के किसी खास विषयों/ग्रुपों से उसके द्वारा अपने पहले के पंजीकरण के समय प्राप्त अंकों के आधार पर छूट दिया जायेगा इसका भी निर्णय करने का अधिकार रहेगा और निर्णय करेगी।

- (4) परिषद को विनियम 31 में निश्चित किये गये पाठ्यक्रम के आरम्भ होने के कारण परिवर्तन के आधार पर किसी खास विषयों/ग्रुपों से छूट दिया जायेगा, इसके निर्णय करने का अधिकार होगा और निर्णय करेगा।

- (5) इस विनियम के उप-विनियम (1) और (4) 1 अक्टूबर से बन्द हो जायेगे और उसी दिन से समाप्त हो जायेंगे। इसी के कारण इस विनियम के उपविनियम (2) और (3) पुनः उपविनियम (1) और (2) बन जायेंगे और जब ये उप-विनियम भी समाप्त कर दिये जायेंगे तब विनियम 32 ए विनियम 32 के रूप में हो जायेगा।”

12. विनियम 33 में उप-विनियम (1) में पहला और दूसरा नियम वहां से हटाया जायेगा और तीसरे नियम में शब्द “फरदर” हटाया जायेगा।

13. विनियम 33 में, वर्तमान उप-विनियम (2) के लिये निम्न नया उप-विनियम जोड़ा जायेगा, यथा :

- (2) “एक प्रार्थी को फाइनल परीक्षा के किसी एक या सभी ग्रुपों में प्रवेश दिया जाएगा बशर्ते कि वह एक प्रमाण-पत्र दे जैसे कि इस विनियम के उप-विनियम (1) में कहा गया है।”

14. वर्तमान विनियम 34 के लिये निम्नलिखित नया विनियम जोड़ा जायेगा, यथा :

“34 फाइनल परीक्षा के लिये ग्रुपस, पेपर्स और पाठ्यक्रम इस विनियम में निश्चित किये हुये ग्रुपस, पेपर्स और पाठ्यक्रम की पहली परीक्षा दिसम्बर 1983 में होगी। जो छात्र इन्टरमीडिएट परीक्षा 1 अक्टूबर 1982 के बाद पास करते हैं और दूसरे सभी जो फाइनल परीक्षा दिसम्बर 1983 में बैठते हैं, उन सभी को इसी विनियम के अधीन परीक्षा देनी होगी। इस विनियम के अधीन फाइनल परीक्षा के लिये निम्न-लिखित ग्रुप्स, पेपर्स और पाठ्यक्रम होंगे :

#### ग्रुप-1

क्वालिटेटिव टेक्नॉक्स, मनेजमेन्ट इन्फारमेशन सिस्टम ऐण्ड डाटा प्रोसेसिंग :

प्रश्न पत्र—एक समय—3 घंटे पूर्णांक—100

उद्देश्य : चुने हुये परिमाण सम्बन्धी उपकरणों और प्रविधि का क्रमबद्ध अध्ययन करना है जिसका क्षमताशाली व्यापार निर्णयों में प्रयोग किया जा सके और इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी के बढ़ते हुये क्षेत्र में व्यावसायिक एकाउन्टेन्ट्स को खोल सके।

ज्ञान का स्तर : विचारों, सिद्धान्तों और उनके व्यवहारों से ठोक ढंग से अवगत होना।

पाठ्यक्रम :

सेक्शन 1 : क्वालिटेटिव टेक्नॉक्स (पूर्णांक—60)

अर्थ—आपरेशन अनुसंधान का प्रकृति और क्षेत्र-पोटेन्सियल प्रयोग के क्षेत्र—प्रो० आर० की समस्यायें को हल करने को विशेष रूप को प्रविधि और प्राथमिक फेजेज।

लाइनर कार्यक्रम : एल० पो० मोडल्स के कनसेप्ट ऐण्ड फारमुलेगन, मोडल्स, वकिंग ग्रान मिम्पलेक्स एलगोरिथ्म—राइनर फनों को व्याख्या करना, ट्रान्सफारमेशन ऐण्ड एसाइन्मेन्ट टेक्नीक।

डिसिजन ट्रीज फार डिसिजन मेकिंग ऐण्ड रिस्क एनलिसिस-विनियोग निर्णयों में डिसिजन ट्रीज का प्रयोग, प्राइसिंग स्टेडिजी ऐण्ड कम्पीटिम वाइन्डिंग नेट वर्क विश्लेषण (पी० इ० आर० टी०/सी० पी० एम०) ड्राइंग एन० एसी० नेट वर्क ऐण्ड नम्ब्रिंग वी इमेन्टस कामों के अवधि का अनुमान और सबसे पहले और सबसे जाद के इमेन्ट टाइम्स का विचार, कनसेप्ट आफ कृटिकल पाथ ऐण्ड प्रोबिलिटि वनसिडरेशन, एजूसन इन पी० इ० आर० टी० एनलिसिस, क्रसिंग ए नेट वर्क ऐण्ड डिटरमाइनिंग आफ प्रोजेक्ट कांस्ट ट्रेड आफ, सिगुलिग ए नेट वर्क वीथ मैरियस कन्स्ट्रेंटस लाइक मैन पावर, इक्विवेन्ट आदि मोनिटरिंग ऐण्ड कन्ट्रोल

पोस्ट, लोव ऐण्ड जी० इ० आर० टी०।

दूसरे ओजार प्रविधि का प्राथमिक ज्ञान जैसे ड० सी० एफ० विश्लेषण, इन्मेन्टरी कन्ट्रोल, वेटिंग लॉइन मोडल्स, इनपुट-आउटपुट प्रविधि रिप्लेसमेन्ट ऐण्ड मेन्टेनेन्स मोडल्स

सेक्सन-II डाटा प्रोसेसिंग (पूर्णांक—40)

वी सिस्टम एप्रोच टू मैनेजमेन्ट-मैनेजमेन्ट ऐण्ड सिस्टम कन्सेप्टस—संगठन और प्रबन्ध की एक पद्धति।

प्रबन्ध इन्फारमेशन पद्धति और प्रबन्ध

क्वालिटेटिव पद्धति—कम्प्युटेन्टस आफ टोटल मैनेजमेन्ट—सूचना पद्धति, बाजार, इन्मेन्टरी निर्माण, वित्तीय, कर्मचारी वर्ग और लम्बी अवधि की योजना-प्राथमिक सूचना पद्धति-इन्स्ट्रुमेंट प्रबन्ध सूचना पद्धति की और विकास।

डाटा प्रोसेसिंग ऐण्ड कम्प्यूटर्स-सिस्टम डिजाइन्स और ए० विश्लेषण: बेसिक कम्प्यूटर लागुवेज-कोबोल, अटोकोडर ऐण्ड फोरट्रेन—कम्प्यूटर बेस्ड सिस्टम फार डिसिजन मेकिंग—प्रोग्राम्ड आर नन-प्रोग्राम्ड डिसिजन्स, मिनि कम्प्यूटर्स और माइक्रो प्रोसेसिंग का व्यापार में व्यवहार।

#### 2. आर्थिक विधान

प्रश्नपत्र—एक समय—3 घंटे पूर्णांक—100

उद्देश्य :

संयुक्त नियमों का पूर्ण ज्ञान प्रदान करना है ताकि संयुक्त निर्णयों पर उनके इम्पेक्ट का मूल्यांकन किया जा सके।

ज्ञान का स्तर—उच्चस्तर का ज्ञान

पाठ्यक्रम :

सेक्सन I : कम्पनी कानून (पूर्णांक-50)

केन्द्रीय सरकार के द्वारा अधिनियम के अधीन बनाये गये कम्पनीज अधिनियम, नियमों और सिडुल्स किसी अधिनियम के परिवर्तन, संशोधन या एकीकरण के साथ, रूल्स या सिडुल्स जो परीक्षा की तिथि से छः महीने पहले बने हों।

सेक्सन II : दूसरे आर्थिक लाज (पूर्णांक-50)

एम० आर० टी० पी० एक्ट, 1969 : एम० आर० टी० पी० आयोग और उसके अधिकार, उद्योग (विकास और विनियम)

अधिनियम, 1961 : औद्योगिक विकास परिषद्, आवश्यक-सामग्री अधिनियम, 1944 : औषधि और औषधि बनाने सम्बन्धी सरकारी मूल्य नियन्त्रण आदेश, सीमेंट, टायर वनस्पति स्टील आदि ट्राफिक आयोग का रोल और बी आई सी पी अधिनियम के अधीन कानूनी व्यवहार को प्रयोग में लाना, विदेशी मुद्रा विनियम अधिनियम : अधिनियम के व्यवस्थाओं के साथ आज्ञा-नुकूलता।

3- मैनेज्मेन्ट इकोनमिक्स :

(प्रश्नपत्र—एक समय—3 घंटे पूर्णांक 100)

उद्देश्य :

माइक्रो इकोनमिक्स जो क्षमताशासी व्यापार निर्णयों से सम्बन्धित और लाभदायक हो का सामान्य ज्ञान (समझ) प्रदान करता है। ज्ञान का स्तर : प्राथमिक सामान्य ज्ञान (समझ)

पाठ्यक्रम :

प्रबन्ध—सम्बन्धी अर्थशास्त्र का अर्थ क्षेत्र और विधि।

व्यापार से सम्बन्धित इकोनमिक्स कनसेप्ट्स मांग और पूर्ति, उत्पादन, वितरण, उपभोग और उपभोग कार्य, लागत, मूल्य, स्पर्धा, एकाधिकार, लाभ ओप्टीमाइजेशन, अन्तर और प्रोसुर, लचीलापन, मित्रो और माइक्रो विश्लेषण।

मांग विश्लेषण और व्यापार पूर्वाभास : बाजार गठन, साधन जो मांग के लचीलापन और मर्ग स्तर पर प्रभाव डालते हैं। विभिन्न उत्पाद और स्थान के लिए मांग विश्लेषण, मांग का निर्धारण, टिकाऊ और कम टिकाऊ माल, लम्बी अवधि और कम अवधि के मांग, डिस्टाइड और अटोनोमस मांग, उद्योग और फर्म मांग।

लागत मूल्य और उत्पादन विश्लेषण : कास्ट कन्सेप्ट फ्राम एक्काउन्टेन्सी टु इकोनमिक्स, उचित इकोनमिक्स एक्काउन्टिंग के व्यवहार के लिए शर्तें। कम और अधिक अवधि के कास्ट आउट-पुट सम्बन्ध, बहुत उत्पाद के लागत मूल्य इकोनमिक्स एण्ड डिस इकोनमिक्स आफ स्केल, उत्पादन कार्य, लागत मूल्य नियंत्रण, लागत और लाभ का पूर्वाभास, ब्रेक इमेन विश्लेषण, सीमांत लाभ का सिद्धान्त, सीमान्त लागत और प्रयोग की गणना, उत्पादन नियंत्रण और इन्वेन्टरी प्रबन्ध और आवंटन कार्यक्रम का निर्णय।

बाजार विश्लेषण : स्पर्धा, स्पर्धा के परिस्थितियों के प्रकार, ओलिगोपली और मोनोपली, आर्थिक क्षमता के केन्द्रीयकरण का माप करना।

मूल्य निर्णय, नीति और व्यवहार, पूर्ण अपूर्ण और एकाधिकार स्पर्धा में मूल्य और उत्पादन करना का निर्णय, ओलीगोपली और एकाधिकार में मूल्य निर्धारण की विधि, विशेष मूल्य निर्धारण की समस्या, मूल्य में भेदभाव, मूल्य का पूर्वाभास।

लाभ प्रबन्ध : अर्थ व्यवस्था में लाभ की भूमिका, लाभ के प्रकृति और नाप, लाभ की नीति, अधिक लाभ करने की नीति, नियंत्रण के लिये लाभ, लाभ की योजना और पूर्वाभास।

बाजार प्रबन्ध : जोखिम और अनिश्चितता में बाजार निर्णय, उत्पाद निर्णय, बाजार विश्लेषण और टेस्ट मार्केटिंग, मूल्य का निर्णय, विज्ञापन निर्णय, समुचित सम्बन्धी निर्णय, वितरण निर्णय। पूंजी वजटिंग : पूंजी का मांग और पूर्ति से सम्बन्धित विचार, पूंजी राशनिंग, पूंजी का लागत मूल्य, जोखिम और अनिश्चितता में पूंजी का वजटिंग।

व्यवसाय सेवा में इकोनामिक्स : व्यवसाय का इकोनामिक इण्डिकेटर, बाजार का अध्ययन, व्यवसाय में सार्कलिक, उतार-चढ़ाव : लम्बी अवधि के पूर्वाभास में प्रयोग, मार्केट, डाइनामिक्स : व्यवसाय नीति, मांग की इकोलोजिकल शर्तें

ग्रुप—II

एक्काउन्टेन्सी

प्रश्नपत्र—एक समय 3 घंटे पूर्णांक—100

मिश्रित व्यवसाय और बिना व्यवसाय के दशाओं में लेखा के सिद्धान्तों और उनके प्रयोग में पूर्ण परिज्ञान को प्रदान करना है। ज्ञान का स्तर : उन्नति स्तर

पाठ्यक्रम :

इन्टरमीडिएट के पाठ्यक्रम में निर्धारित क्षेत्रों का गहरा अध्ययन और कम्पनीज अधिनियम का समालोचनापूर्ण अध्ययन तथा नियमों और सिडुल्स का अध्ययन की आज्ञा की जायेगी। इसके अलावा निम्नलिखित विषयों का भी अध्ययन करना है :

सेक्सन—I : थ्योरी पूर्णांक 50

लेखा के सिद्धान्त, कनसेप्ट्स एण्ड कनफेशनस, कास्ट एक्काउन्टींग रेकार्ड्स रूल्स के अधीन आर्थिक चिट्ठा और कास्ट सिट्स के लिए इन्वेन्टरी मूल्यांकन, डिप्रिशीएशन देने की विधि : स्थायी सम्पत्तियों का रेकार्ड्स, डिप्रिशीएशन विधि का चयन, लेखा डिजाइन, आय का विचार। अन्तर्राष्ट्रीय लेखा स्तर—उनकी सिफारिशें।

सेक्सन—II : प्राबलेम्स पूर्णांक—50

हायर एस्पेक्ट्स आफ कम्पनी एक्काउन्टेन्स : एमलगामेशन, एक्जरायशन एण्ड रिक्सेन्टेशन आफ कम्पनीज, अल्ट्रेशन आफ शेयर कैपिटल, पूंजी का कम करना, शेयर और साख का मूल्यांकन, स्टॉक एक्सचेंज लेन-देन, होल्डिंग एंड सर्विसिडियरी कम्पनीज, कम्पनीयों के ग्रुप का एक सम्मिलित लाभ-हानि खाता और आर्थिक चिट्ठा, बैंक और बीमा कम्पनियों का लेखा, फारम एक्काउन्टिंग।

ट्रिटेमेंट आफ लाइफ पालीसीज टकेन इन पेमेंट आफ डेट इयू दोहरी लेखा प्रणाली। मेरिन बीम दावे साथ स्टाक की हानि, लाभ का नुकसान और दूसरे हरजाने के लिए दावे। अस्पताल, शिक्षा और व्यवसायिक संगठन तथा बिना लाभ के संस्थाओं का लेखा। होटल और यातायात के संस्थाओं का लेखा। सरकार और नगर का वजट और लेखा।

#### 5—कर कानून और कर योजना

(प्रश्नपत्र—एक समय—3 घंटे पूर्णांक—100)  
उद्देश्य :

कर कानून और उनका प्रबन्ध निर्णयों पर समाधात तथा क्रिमेयकर रूप से प्रबन्ध लेखा प्रविधि में व्यवहार आने वाले कर साधनों की भूमिका पर विशेष जोर देते हुये पूर्ण ज्ञान को प्रदान करना है।

ज्ञान का स्तर : पर्याप्त स्तर

पाठ्यक्रम :

सेक्सन—I : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर कानून

प्रत्यक्ष कर कानून पूर्णांक—40

आयकर अधिनियम का पूर्ण अध्ययन, कम्पनीज (प्राफिट) मर टेक्स अधिनियम, गिफ्ट, वेल्थ एन्ड इस्टेट डीयूटी अधिनियम

पूजा और आय खर्च के अन्तर्गत केस कानून, डीयूटी आय, रेसिडेन्स कनसेप्ट

कनसेप्ट आफ अससेसी पर केन्द्रित विशेष समस्याएं, पंजीकृत फर्म, एच० यू० एफ० व्यक्तियों और ट्रस्ट्स का संगठन-साइनस, नन रेसिडेन्स और दोहरा कर।

आयकर के भाग के अन्तर्गत समस्याएं, वेतन, परफ्यूजिटस, अनुदान और निवृत्ति सुविधायें, मकान सम्पत्ति से आय, पूजा लाभ, दूसरे साधनों से आय, व्यापार और व्यवसाय से आय, आय के एकत्रीकरण से उठी समस्याएं, हानि को सेटआफ और आगे लिखना।

कर प्रशासन, आवेदन, परिवर्तन, पुनः विचार, संशोधन और सी० बी० डी० टी० को प्रार्थना पत्र।

रिक्लूजिशन प्रोमिडिग, मूल्यांकन के सिद्धान्त, अचल और चल सम्पत्ति

अप्रत्यक्ष कर कानून (पूर्णांक—20)

आबकारी, खुर्च और केन्द्रीय विक्रय कर कानून अधिनियमों और प्रेक्टिस के महत्वपूर्ण व्यवस्थायें।

सेक्सन—II : कर योजना (पूर्णांक 40)

व्यापारिक इकाई के कानूनी दर्जा दिलाने की योजना में टैक्स इम्प्लिकेशन, फर्म प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी और पब्लिक लिमिटेड कम्पनी। कर भार (ए) विदेशी सहायता प्राप्त करने वाले, (बी) विदेशों में सहायता देने वाले, जैसे विदेशों में भारतीय व्यापार उन्नति करने वाले, सबमिडियरिज, आउट राईट सेल आफ नोहाऊ, इक्वूटी, पार्टीसिपेशन आदि। टैक्स एस्पेक्टस आफ मरज्स एन्ड एमलगामेशन। नये औद्योगिक प्रतिष्ठान और योजना। टैक्स इम्प्लिकेशन आफ होटलिंग कम्पनी भी एस वनगोमेरेट एक्स-

पेन्सन्। कम्पनी (प्राफिट) मरटेक्स अधिनियम और वित्तीय योजना कर उत्प्रेरक और निर्यात उन्नति। व्यक्तिगत कर : विदेशी और भारतीय। पूजा लाभ और कर योजना टेक्स एसपेक्ट आफ इन्वेस्टमेंट। पूजीकरण गठन के विकास में कर समभार (ए) कम अवधि के कर्ज (बी) जनता से धन संचय (सी) टर्म कर्ज (डी) बोनस इस और (इ) डिबिडेन्ट पालिसी उस कम्पनी का कर भार जिनमें माधारण नागरिक सम्बन्धित न हो।

6—

प्रबन्ध सम्बन्धी वित्त

प्रश्नपत्र—एक

समय—3 घंटे

पूर्णांक—100

उद्देश्य :

व्यापार के वित्तीय वातावरण का सूक्ष्म और पूर्ण ज्ञान प्रदान करना और आर्थिक संगठनों में काम आने वाली वित्तीय योजना, नियंत्रण और निर्णय के प्रविधि का पूर्ण अध्ययन करना है।

ज्ञान का स्तर : उन्नति करता हुआ स्तर

पाठ्यक्रम :-

कारपोरेट वित्त का प्रबन्ध : धन विनियोग का प्रकृति और वित्तीय निर्णय—डिमिजन क्वाटेरिया, लिक्विडिटी—प्राफिटिबिलिटी, कास्ट और जोखिम, वित्तीय प्रबन्ध का कला और विज्ञान।

वित्तीय पूर्वाभास का प्रविधि : निधी श्रोत विश्लेषण, रेगियो विश्लेषण, वित्तीय विवरण को तैयार करना।

वर्किंग पूंजी प्रबन्ध : कार्यशील पूंजी की आवश्यकता का अनुमान करना कार्यशील पूंजी को धन देना, कार्यशील पूंजी का नियंत्रण, प्राप्ति के योग्य इनमेंटरिज और लेखा।

पूजा खर्च :

प्रोजेक्ट मूल्यांकन, आर्थिक प्रविधि सम्बन्धी और वित्तीय माध्यता का अध्ययन डी० सी० एफ०, जोखिम इमैलुएशन और सेन्सिटिविटी विश्लेषण, मिमुलेशन फाररिस्क इमैलुएशन, पूजा व्यय का माप और प्रोजेक्ट निर्णयों के लिये प्राप्त के दर का निर्णय करना, परियोजनाओं का सामाजिक लागत और सामाजिक उन्नति विश्लेषण, लाइनर कार्यक्रम और पूजा बजटिंग निर्णय डी० सी० एफ० प्रविधि के अधीन परियोजना, इमैलुएटरिज का वित्तीय नियंत्रण और फालो अप, पूजा बजटिंग निर्णयों में पूजा का व्यय और उनका प्रयोग का विचार।

कम्पनी के वित्त का साधन :

जनता का संचय, टर्म लोन, बान्ड्स प्रिफरन्स शेयर्स—भारत में वित्तीय संस्थाएं, बैंकों और वित्तीय संस्थायें से निगोसियेटिंग टर्म लोन। अन्डर राइटिंग आफ शेक्योरिटीज—भारत में वर्तमान चलन, अन्तरिक विधि वित्त के श्रोत के रूप में डिबिडेन्ट नीति और रेन्टेशन की दर—बोनस शेयर, इक्वूटी पूजा वित्त के श्रोत के रूप में—राइट इशू एन्ड इशू प्रिमियम—भारत में शेक्योरिटीज इशू के सरकारी विनियम-प्रोस्पेक्टस फार इशू आफ शेक्योरिटीज, समझ और स्पष्टीकरण।

प्राथमिक मूल्यांकन के विचार

संयुक्त करभार और उसका संयुक्त वित्त देने पर प्रभाव। मुद्रास्फीति और संयुक्त वित्त पर उसका प्रभाव।

विस्तार :

डाइरिजिबिलिटी स्ट्रेटिजिज, भरजर एंड एलगामेशन विदेशों में सयुक्त उद्योग लगाना संयुक्त क्षेत्र परियोजनायें और धन विनियोग निर्णय।

भारत के वातावरण में कर्ज की भूमिका अपसतलू पूंजीकरण ढांचे का विकास

इन्वेस्टमेंट पोर्टकोलिग्रो डिजिजन

विशेषकर बैंकों के सन्दर्भ में बीमा कम्पनियां और ट्रस्ट्स लाइनर कार्यक्रम, प्रविधि का प्रयोग—किसी कम्पनी के कुछ भोगों में धन विनियोग का प्रबन्ध, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में वित्तीय प्रबन्ध।

### ग्रुप-III

7-एडवान्स कास्ट एंड मैनेजमेंट

एकाउन्टेन्सी—विश्लेषण और नियंत्रण

प्रश्न पत्र एक—समय : 3 घंटे पूर्णांक-100।

उद्देश्य : व्यापार में इच्छा के अनुसार योजना का ढांचा बनाना, नियंत्रण और निर्णय करने के तरीके और इस उद्देश्य के लिये सम्बन्धित कास्ट डाटा का पहिचान करना है।

ज्ञान का स्तर : समस्याओं के वास्तविक हल पर नहीं बल्कि उनके पहिचानने और उन्हें सम्बन्धित प्रविधि के ढांचे में सूचित करने पर जोर दिया जायेगा।

पाठ्यक्रम :

सेक्शन 1: लागत मूल्य प्रबन्ध पूर्णांक-50।

1. लागत मूल्य प्रबन्ध और प्रबन्ध निर्णय : लागत मूल्य व्यय और नुकसान का ज्ञान—उत्पाद और किसी अवधि का लागत मूल्य—प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लागत मूल्य, नियंत्रण योग्य और बिना नियंत्रण योग्य लागत मूल्य, आउट आफ पैकेट, पूर्वनिर्धारित और वास्तविक लागत मूल्य, औपारचूनिटि कास्ट, सक कास्ट, सीमान्त लागत मूल्य इन्क्यूमेंटल, कास्टस, संयुक्त लागत मूल्य प्रबन्ध निर्णयों के उद्देश्य से सम्बन्धित, लागत मूल्य का विचार, ब्रेकइमेन विश्लेषण, उसका प्रयोग और सीमा कास्ट मालूम, लाभ विश्लेषण।

उत्पादन लागत विश्लेषण :

प्रबन्ध निर्णयों के लिये उत्पादन लागत मूल्य का विश्लेषण, बनाना या खरीदना, आइडिल क्षमता, मशीन बन्द करना, आगे उत्पादन या विक्रय, कल पुर्जा को बलदना आदि, कार्यगति यथा इन्मेन्टरी नियंत्रण के लिये कास्ट। लाभ विश्लेषण क्षमालिडि नियंत्रण रख-रखाव ओण्टिमाइजेशन आफ प्रोजेक्ट—डिस्पोजन आफ वेस्टस बड़ा मशीन का स्थान और विस्तार का निर्णय, उत्पादन बजट का विकास।

मार्केटिंग कास्ट विश्लेषण:—

मार्केटिंग कास्ट का वर्गीकरण और नियंत्रण के उद्देश्य के लिये उसका गतिविधि, मार्केटिंग प्रोजेक्ट का कास्ट विश्लेषण,

काम और कार्यक्रम—उत्पाद विकास से सम्बन्धी निर्णय, संविद की स्वीकृति और टेंडर जमा करना, पूंजी बजट, उत्पाद विकास का भविष्य—मूल्य निर्धारित करने का निर्णय, लागत मूल्य का मूल्य निर्धारण करना, रिटर्न प्राइसिंग की दर, कम्पिटेटिव प्राइसिंग, सीमान्त लागत मूल्य, निर्यात का मूल्य निर्धारित करना, संयुक्त उत्पादन और सह-उत्पादन का मूल्य ठीक रखना मार्केटिंग सेगमेंटस यथा प्राइवट लाइन क्षेत्र, श्रोत, आउट का आकार आदि का लागत। लाभ का विश्लेषण, विक्रता के, कार्यों का मूल्यांकन, वितरण परिवर्तन, गोदाम के स्थान का निर्णय का मूल्यांकन, लोजिस्टिक्स आफ डिस्ट्रिबुशन, विज्ञापन, नमूना का वितरण, उन्नति के लिये सहायता आदि के लागत। लाभ का विश्लेषण, मार्केटिंग आडिट मार्केटिंग बजटिंग, विक्रय बजट, विक्रय शक्तियों का बजट, कोटा फिक्सेशन, सेल फोर्स कम्पेन्सेशन योजना विकास—विज्ञापन का बजट।

कर्मचारी वर्ग लागत विश्लेषण :

डाइरेक्टर के साथ प्रबन्ध सम्बन्धी कर्मचारियों को वेतन/कम्पन्सेशन बोनस का भुगतान, लिमिटेशन, कर युक्त वेतन का भुगतान विदेशी टेक्निसियन्स को कम्पन्सेशन, इजक्यूटिम्स को लाभ के भाग करने की योजना—

इन क्षेत्रों का यथा सेबर एंड इज्यूटिम्स टर्न ओवर लागत विश्लेषण नहीं भर्ती, प्रशिक्षण और विकास, इम्प्लवई वेलफेयर।

फिन्ज बेनिफिट, ओवर टाइम —

समिति प्रबन्ध के लिये कास्ट विश्लेषण,

पार्टीसिपेटिव प्रबन्ध, मानव साधन का लेखा करना

कर्मचारी वर्ग के बजट का विकास,

फ्लेसिबल बजट, कर्मचारी वर्ग का आडिट,

नियंत्रण का विचार :

प्रोपरेशन नियंत्रण और प्रबन्ध नियंत्रण, प्रबन्ध कार्य का भी मेरिक्वल को मेरिक्वल नापने के लिये आबजेक्टिभ स्टेन्डर्ड—इन्जिनीयर्ड क्षमता और प्रबन्ध किया हुआ लागत मूल्य के सम्बन्ध में इनपुट का विश्लेषण, दायिस्वपूर्ण बजट करने की धारण, नियंत्रण के लिये सूचना पद्धति, संगठन सम्बन्धी इकाईयों के कार्य का नियंत्रण, भाग, विभाग, कक्ष, आदि संगठन सम्बन्धी इकाईयों जैसे नहीं भर्ती, प्रशिक्षण, समिति कार्य उत्पाद विकास, नमूना समुन्नति आदि जो कट एक्शस करता है उसके कार्य और गतिविधि का नियंत्रण।

सरकार और लागत मूल्य लेखा

मूल्य नियंत्रण के अधीन उत्पादन का मूल्य निर्धारित करने के लिये लागत मूल्य का खोज और लागत मूल्य का लेखा परीक्षा, रक्षण और राज सहायता देने के लिये लागत मूल्य लेखा, कम्पनीज अधिनियम 233 बी के अधीन वैधानिक लागत लेखा परीक्षा और प्ररिब्यूजिट के रूप में रेकार्डस रखना।

लागत मूल्य के दूसरे प्रयोग :

केन्द्रीय आबकारी अधिकारियों के द्वारा मूल्य अनुमोदन करना, कास्ट प्लस कन्ट्रैक्ट्स, निर्यात उत्प्रेरक जैसे झा बैक और रुपये की राज सहायता, अन्तर्राष्ट्रीय लेखा स्तर, वर्तमान लागत लेखा पर सान्डिलैड समिति की रिपोर्ट (यू० के०) और उसके बाद, जीरो बेस बजट करना, उन परियोजनाओं में लागत लेखा की भूमिका जिनकी वित्तीय सहायता आई० बी० आर० डी० और अन्तर्राष्ट्रीय विकास संगठन से होता है। विदेशी शिल्प विषयक/वित्तीय सहयोग प्राप्त कम्पनीज अधिशासी उत्प्रेरक योजना, लागत डाटा के लिये वित्तीय संस्थाओं प्रवेश लागत प्रबंध और भेलू इंजीनियरिंग।

### सेक्शन II—प्रबन्ध नियंत्रण (पूणक 50)

वित्तीय लक्ष्य निर्धारण :

वृद्धि सम्बन्धी आर० ओ० आई० का विश्लेषण सूक्ष्म ग्राहिता विश्लेषण, संगठन सम्बन्धी हायर मार्क के साथ वित्तीय लक्ष्य का विकास करना, उत्तरदायित्व बजट करने की धारण और प्रविधि, उत्तर दायित्व पूर्ण बजट लिये विश्लेषण-सम्बन्धी ढांचा उत्तरदायित्वपूर्ण बजट इन्टिग्रेट करना। एम० वी० ओ० पद्धति के साथ उत्तरदायित्वपूर्ण बजटिंग इन्टिग्रेट करना।

संगठन सम्बन्धी वृद्धि :

उत्तरदायित्व केन्द्र और लाभ केन्द्र, नियंत्रण पद्धति के रूप में एकरूपता और लाभ केन्द्र का बनाना, लाभ केन्द्र का बनाना, लाभ केन्द्र का विकेन्द्रीकरण।

लाभ निर्धारण करने की मशीनरीज :

लाभ केन्द्र का उद्देश्य, ट्रान्सफर प्राइसिंग की समस्याएँ और भविष्य बहुविभागीय कम्पनी में विभागीय लक्ष्य निर्धारित करने के लिये लाइनर कार्यक्रम प्रविधि वृद्धि और संयुक्त नियंत्रण की समस्याएँ।

विशेष खण्डों में नियंत्रण :

स्क्रेप नियंत्रण, आर और डी परियोजना नियंत्रण, प्रशासनिक नियंत्रण, आडिट, इफिसिएन्सी आडिट, इन्टर्नल आडिट, सरकार का लागत लेखा परीक्षा, प्रबन्ध लेखा परीक्षा/कार्ट केन्द्रों का लागत लेखा पद्धति पुर्ननिरीक्षण बटवारा पद्धति, बजट करने की पद्धति, सूचना देने की पद्धति और नियंत्रण, उन उद्योगों में जिनमें लागत लेखा (रेकार्ड्स) का प्रयोग होता है उनके मूल्य निर्धारण करने की समस्याएँ और अभ्यास और सबसे बढ़कर योजना और नियंत्रण उपस्थिति।

एडवांन्स कास्ट एण्ड मैनेजमेंट एकाउंटेंसी

विधि और प्रविधि

(प्रश्न पत्र - एक — समय - 3 घण्टे पूणक-100)।

उद्देश्य :

क्वांटिटेटिव वायस के साथ कास्ट एकाउंटिंग प्रविधि

जिनका प्रयोग क्षमताशाली योजना, कामों का नियंत्रण और निर्णयों के उत्तमता की सुधार के बारे में विस्तारपूर्वक अध्ययन करना है।

ज्ञान का स्तर :

समस्याओं के वास्तविक हल पर नहीं बल्कि समस्याओं के एकरूपता और सम्बन्धित प्रविधि के ढांचे में सूत्र रूप में वर्णन करने पर जोर दिया जायेगा।

पाठ्यक्रम :

लाभ योजना के लिये लागत का विश्लेषण।

मैथीक्स सिद्धान्त और लागत बटवारा, लाभ योजना के लिये लनिंग कर्भ मोल्डस, कास्ट भालूम-प्राफिट विश्लेषण, मल्टिपुल रिप्रेशन एनलिसिस एप्रोच, परस्पर सम्बन्ध विश्लेषण के साथ पूर्वाभास और नाप करना, गणना सम्बन्धी परस्पर सम्बन्ध के द्वारा लाभ का माप; क्षमता का प्रयोग और वितरण सीमान्त, अपानचूनिटि कास्ट, अंक गणित सगवन्धी कार्यक्रम का प्रयोग लाभ योजना और बजट करना : ब्रेक इमेन विश्लेषण और लाइरी प्रोग्रामिंग, वर्धी लाइनर ब्रेक इमेन विश्लेषण का प्रयोग, अनिश्चितता के शर्तों के अधीन कास्ट भालूम प्राफिट विश्लेषण, नेट वर्क विश्लेषण के साथ बजट करना, पीडी आर टी कास्ट।

कास्टिंग आन्ड प्राइसिंग :

संयुक्त उत्पाद के मूल्य निर्धारण में लागत की भूमिका, बहु उत्पाद का कास्टिंग और बहु परस्पर सम्बन्ध का विश्लेषण, संयुक्त लागत से सम्बन्धित उत्पाद के लाभकारिता निर्धारण के लिये एलपी का प्रयोग।

लागत नियंत्रण :

प्रशिक्षण व्ययों का मूल्य निर्णय करना, अनुसन्धान और विकास के लिये प्रबन्ध लेखा, वेतन ढांचे के लिये एलपी का प्रयोग करना, मानव साधन के व्यवहार के लिये आदर्श, इनमेन्टरी का नियंत्रण करना : एक व्यवहारिक उपस्थिति, लागत नियंत्रण रिपोर्ट्स के अनुमान का प्रयोग, (एपी और लेखा सूचना तमूना) उत्पत्ति लेखा और प्रबन्ध, कास्ट नियंत्रण के लिये नियंत्रण चार्ट्स का प्रयोग।

व्यापार वृद्धि : वृद्धि नापने की प्रविधि।

मुद्रास्फीति लेखा प्रविधि।

व्यापार लागत/लाभ विश्लेषण

सरकार में प्रोग्राम बजटिंग :

प्रोग्राम बजटिंग के लिये कन्सेप्चुएल ढांचा, प्रोग्राम बजटिंग में लागत उपयोगिता विश्लेषण की भूमिका, प्रोग्राम बजट के विकास करने के लिये प्रणाली।

परफार्मेन्स बजटिंग :

बजटिंग और इमेन्सुएशन योजना सरकारी लेखा वा रूप फिजिकल मेजरमेंट एण्ड एनेलिटिक एस्पेक्ट्स, इन्फार्मेसन एण्ड कन्ट्रोल एस्पेक्ट्स।

## 9. कास्ट एण्ड मैनेजमेंट आडिट :

(एक प्रश्न पत्र—समय 3 घंटे—पूर्णांक—100)

उद्देश्य :

योजना के प्रविधि और विधि तथा इस्पूटिंग ए कास्ट आडिट एमाइनमेंट के साथ ज्ञान भण्डार का गहराई से अध्ययन कराना है।

ज्ञान का स्तर :

सेक्शन I के लिये उन्नत स्तर का और सेक्शन II के लिए सिद्धान्तों और समस्याओं का पूरी-पूरी जानकारी और समझ।

पाठ्यक्रम :

सेक्शन I: कास्ट आडिट (पूर्णांक 75)

कास्ट आडिट का प्रकृति, उद्देश्य और क्षेत्र : इफिसिएन्सी आडिट प्रोपराइट आडिट, मैनेजमेंट आडिट, सोशल आडिट।

कास्ट आडिटर की नियुक्ति :

कम्पनीज अधिनियम, 1956 और एण्ड आन्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 और दूसरे कानून के अधीन व्यावसायिक और कानूनी अधिकार कर्तव्य, दायित्व स्थान, सम्बन्ध और दायित्व।

प्लानिंग दी आडिट :

उद्योग संगठन, उत्पादन के तरीके की पद्धति और प्रणाली से परिचित होना, अभिलेखों और रिपोर्टों की तालिका, लेखा परीक्षा का कार्यक्रम बनाना, अभिलेखों और रिपोर्टों की जांच, गणना सम्बन्धी विधि का प्रयोग, कास्ट एक्काउन्टिंग (रेकार्ड) क्लस के अधीन प्रोफार्मा और स्टेटमेंट की जांच, आन्तरिक नियंत्रण पद्धति का इमैलूएशन : यथा बजटरी कन्ट्रोल, क्षमता का उपयोग इनसेन्टरी कन्ट्रोल, प्रबन्ध सूचना पद्धति, आन्तरिक लेखा परीक्षा के कार्य की पूर्णता का अनुमान लगाना आडिट नोट्स और वर्निंग पेपर्स, प्रबन्ध को आडिट रिपोर्ट्स।

कास्ट आडिट रिपोर्ट्स :

रिपोर्ट का विषय वस्तु "नोट्स" और "क्वालिफिकेशन" टू दी स्टेटमेंट के बीच अन्तर।

व्यावसायिक एथिक्स :

स्टेट्यूटरी फिनान्सिएल आडिटर, दी इन्टर्नल आडिटर एण्ड दी स्टेट्यूटरी कास्ट आडिटर के बीच सम्बन्ध।

प्रबन्ध को दूसरी सेवायें :

विभिन्न उद्देश्यों के लिये प्रमाण पत्र का देना, अभिलेखों का जांच होना और उनकी सुरक्षा की व्यवस्था, कास्ट आडिट प्रबन्ध के सहायता के रूप में। प्रोडक्टिविटी आडिट, श्रम, कच्चा माल और पुंजी। इफिसिएन्सी आडिट, इन्टर्नल आडिट आफ सबसिस्टम्स।

सेक्शन- : मैनेजमेंट आडिट (पूर्णांक : 25)

अर्थ, प्रवृत्ति और क्षेत्र :

मैनेजमेंट आडिट के लिये आवश्यक संगठन। इमैलूएशन आफ कारपोरेट इमेज।

कारपोरेट सर्विस आडिट (कन्जुमर सर्विस) :

उत्पाद, आर एण्ड डी एण्ड इम्पोर्टे सविसच्युणन केता श्रोत (निर्यात आदि)।

कारपोरेट विकास आडिट :

कर्मचारी वर्ग विकास का इमैलूएशन। दूषित वातावरण का आघात। व्यापार जोखिम को सामाजिक लागत और सामाजिक लाभ, प्रबन्ध के सामाजिक दायित्व का आडिट।

## 10. संयुक्त योजना और नीति :

(प्रश्न एक—समय 3 घंटे—पूर्णांक—100)

उद्देश्य :

संयुक्त योजना और नीति के सिद्धान्तों को छात्रों स्पष्ट रूप से समझना।

ज्ञान का स्तर : पूर्ण ज्ञान का स्तर।

पाठ्यक्रम :

योजना :

संयुक्त योजना का प्रकृति और क्षेत्र, प्रबन्ध के कार्यों से सम्बन्धित प्राथमिक योजना के बीच अन्तर।

संयुक्त योजनाओं की निरन्तरता, संयुक्त योजनायें और कुल उद्योग योजनायें तथा राष्ट्रीय योजनाओं के बीच सम्बन्ध लम्बी अवधि में संयुक्त योजनायें स्केल आफ रिफरेन्स के रूप में।

संयुक्त योजनाओं का विषय वस्तु, टाइम होरिजन, डिटरमिनेन्ट्स आफ कारपोरेट गोल्स, स्पेक्वाइरन्स इन गोल सैटिंग हायर आफी। संयुक्त योजनायें बनाने के मार्ग दर्शन साधन। रिसोर्सेज मसिलिंग एण्ड डिप्लायमेन्ट। साधन वांट प्रणाली। संयुक्त योजना के संभाव्य पहुँच (परिस्थिति) विश्लेषण।

संयुक्त योजना का प्रविधि। रिलेवेन्स आफ प्रोजेक्ट्स एनलिसिस, व्यवसाय स्तर पर मितव्ययतापूर्ण नमूना व्यवस्थित करना, और आर प्रविधि, झुकाव और प्रलम्बता का गणना सम्बन्धी विश्लेषण, कम अवधि की योजनायें, लक्ष्य को निर्धारित करना, विशेष रूप का मैनेजरिएल कार्यवाही या चाल। बीच की अवधि का संयुक्त योजनायें, और आर प्लान्स एण्ड सेक्टरल फांसनल प्लान्स, संयुक्त उद्देश्यों और योजनाओं बीच सम्बन्ध लक्ष्य का प्रत्यक्षीकरण, फीड बैक पद्धति, सिर्फिटिंग, आन्तरिक और बाहरी साधनों से डाटा का विश्लेषण और व्याख्या करना।

लम्बी दूरी की संयुक्त योजना, टाइम पिरियड इन व्यू, डिटरमिनेन्ट्स आफ टाइम होरिजन, बाहरी और भीतरी साधनों और रुकावटें—स्पर्धा मार्केट बिहेवीयर, कर्मचारी वर्ग प्रीक्सी-गिकी, प्राइवेट लाइक साइकिल एण्ड अक्स रिलेवेन्ट स्पेक्टस,



इन्टरनान्ट, इन्टर फर्म, इन्टर इन्डस्ट्री आन्ड इन्टर सेक्टरल लिंकस। टारगेटरी विधि और प्रणाली के सिद्धान्तों और अभ्यासों के विशेष सदर्भ के साथ, राष्ट्रीय स्तर पर परस्परविवेक योजना तैयार करना। बहुराष्ट्रीय विश्व योजना समुक्त योजना के रूप में तैयार करना।

नीति

समुक्त नीति प्रकृति और क्षेत्र, डिटरमिनेन्ट आफ वार-पोरेट पोलिसी, स्टेडीजी-टेक्स्टम फ्रेम वर्क समुक्त नीति का आकार लक्ष्य प्राप्ति के लिये क्रेडिबिलिटी, एक्सेटबिलिटी, दायित्व, सभावना, सामाजिक इच्छाये और वितरण नीतिया और व्यावसायिक वातावरण, समुक्त नीतिया और साधनों का उपयोग, . . . . . सार्वजनिक और निजी समुक्त क्षेत्र उपस्थिति (पहुँच) के बीच अन्तर।

ओवर आल कम्पनी पोलिसी उत्पादन नीति, कच्चे-माल की प्राप्ति के लिये नीति, स्ट्राकिंग निरक्षण, आदि मार्केटिंग नीति, लॉगिस्टिक और वितरण नीति कर्मचारी वर्ग नीति, मूल्य निर्धारित करने की नीति, उत्पाद और मिश्रित उत्पाद नीति, वित्तीय नीति आदि व्यवसाय स्थानों के विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकता की सेनिमटाइजिंग नीतिया, पालिसी आडिट बहु राष्ट्रीयों के लिये नीति के ढाँचे।

स्ट्रेटिजी

समुक्त स्ट्रेटिजी के प्रकृति और क्षेत्र समुक्त स्ट्रेटिजी के तत्व-समुक्त स्ट्रेटिजीक प्लान्स स्ट्रेटिजी का निश्चित करना, आकृति इन्टरफेस स्ट्रेटिजी योजना करने में ट्रस्ट आन्ड पेरी वर्तमान लाइन्स पर काम करने की स्ट्रेटिजी, परिवर्तन की स्ट्रेटिजी, वृद्धि की स्ट्रेटिजि स्ट्रेटिजि क मैनेजमेन्ट, आभरआक स्ट्रेटिजी-फसनल स्ट्रेटिजीक्स-स्पेसिफिक स्ट्रेटिजीक प्लान्स स्ट्रेटिजि, आडिट।

टेक्सिज :

समुक्त योजना करने में टेक्स्टिज का प्रकृति और क्षेत्र पिनपवाइटेड कार्यवाही के विधि, चेक प्वाइंट्स का विकास उपस्थिति में परिवर्तन की आवश्यकता, हैन्डलिंग स्पेसिफि टास्कस। व्यापार में टेक्स्टिज समस्याये प्रविधि और उपस्थिति भारत में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में समुक्त नीति स्ट्रेटिजी, मशीने और छोटे आकार के व्यवसाय, घरेलू और निर्यात मार्केटिंग और अधिक, उससे कम और कम पूँजी की प्रगाढ़ता का अर्थ, अधिक नौकरी के स्थान या विभिन्न क्रमों में उत्पादन।

XV विनियम 35 के उप विनियम (1) के निम्नलिखित अन्त में जोड़ा जायेगा, यथा

“यह विनियम इसके उपविनियम (2) और (3) के साथ और उसमें निश्चित किये हुए पाठ्यक्रम 1 अक्टूबर 1983 से बन्द हो जायेगा और उस तिथि से वृद्धा रु हटा दिया जायेगा।

XVI विनियम 35 ए में “फाइनल परीक्षा में किसी खास विषयों में छूट दी जायेगा यथा

3-489GI/80

1 एक प्रार्थी जो. . . . . “के लिये निम्नलिखित स्थानापन्न किया जायेगा, यथा—

“(1) एक प्रार्थी जो 1 अक्टूबर, 1982 के पहले एक छात्र के रूप में पंजीकृत है और वह . . . . .”

XVII विनियम 35 ए के वर्तमान उपविनियम (1) में धारा (ए) में शब्दों “कालम i या कालम ii में जैसा भी हो” और कालम i और ii कालम में और बड़े हुए विषयों के लिये निम्नलिखित स्थानापन्न किया जायेगा यथा

“एडवान्सड एकाउन्टेन्सी आन्ड टेक्सेशन”

XVIII विनियम 35 ए में वर्तमान उप-विनियम (1) को धाराये (सी) और (डी) और उप विनियम (2) भी हटा दिया जायेगा।

XIX विनियम 35 ए में निम्नलिखित नया उपविनियम (2), (3) (4) और (5) जोड़ा जायेगा, यथा.

(2) उन प्रार्थियों के सम्बन्ध में जो 1 अक्टूबर या उसके बाद छात्रों के रूप में पंजीकृत हुए हैं परिषद को समय-समय पर निर्णय करने का अधिकार रहेगा और निर्णय करेगा। उन छात्रों को जो भारत में या विदेश में ऐसी परीक्षाये ऐसे व्यवसायिक संस्थाओं/निकायों से पास किये हों, परस्पर आपस के सम्बन्ध के आधार पर दृढ़ता से किसी खास विषय में छूट दिया जा सकता है, इसके लिये परिषद द्वारा स्वीकृति दी जा सकती है।

(3) फाइनल परीक्षा के किसी खास विषयों/ग्रुपों से एक प्रार्थी जो विनियम 25 ए के अधीन एक नया छात्र के रूप में प्रवेश पाया है किसी खास विषयों/ग्रुपों में उसके द्वारा अपने पहले के पंजीकरण के समय प्राप्त अंकों के आधार पर छूट दिया जायेगा परिषद को यह निर्णय करने का अधिकार होगा और निर्णय करेगा।

(4) परिषद को विनियम 34 में निश्चित किये हुए पाठ्यक्रम के लागू होने के कारण परिवर्तन के आधार पर किसी खास विषयों/ग्रुपों में छूट दिया जायेगा इसके निर्णय करने का अधिकार होगा और निर्णय करेगा।

(5) इस विनियम के उप विनियम (1) और (4) 1 अक्टूबर 1983 से बन्द हो जायेगा और उसी दिन से समाप्त हो जायेगा इसके कारण इस विनियम के उप-विनियम (2) और (3) उपविनियम (1) और (2) के रूप में बदल जायेगा और जब ये उपविनियम भी समाप्त कर दिये जायेगे तब विनियम 35 ए, विनियम 35 के रूप में हो जायेगा।

XX विनियम 41 के उप विनियम (2) में शब्दों इन्टर मीडियेट परीक्षा के ग्रुप (III) में पास के लिये जो विनियम 31 या विनियम 32 के अनुसार हुआ या फाइनल परीक्षा के ग्रुप (III) जो विनियम 34 के अनुसार हुआ या फाइनल परीक्षा के ग्रुप III जो विनियम 35 के अनुसार हुआ के लिये निम्नलिखित शब्दों को स्थानापन्न किया जायेगा यथा

“इन्टरमीडियेट परीक्षा या फाइनल परीक्षा के ग्रुप (III) के पास के लिये।”

दिनांक 14 फरवरी, 1981

सं० 16-सी० डब्ल्यू० आर० (324-325)/81:—द. कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्टस रेगुलेशन 1959 के विनियम 16 का अनुसरण कर यह अधिसूचित किया जाता है कि द. इन्डिस्ट्रिटूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्टस आफ इण्डिया के परिषद ने कास्ट एण्ड वर्क्स एक्काउन्टेन्टस अधिनियम 1959 का धारा 20 को उप-धारा (1) द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित सदस्यों के नामों को उनका मृत्यु के कारण सदस्यपंजीका से हटा दिया।

1. श्री पी० ए० सुब्रमनियम, एम० ए० ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, रिजल इन्टरनल आडिट आफिसर, माडर्न बेवरीज (इण्डिया) लि०, मद्रास-600020 (सदस्यता संख्या 4858) 14 दिसम्बर, 1980 से प्रभावित।

2. श्री पूर्ण चन्द्र देव, बी० एस० सी०, एफ० आई० सी०, डब्ल्यू० ए०, फाइनल सिविल एंजिनीयर, फर्टीलाइजर (पी० एण्ड डी०) इण्डिया लि०, सिन्दरो 828122 (सदस्यता संख्या 1818) 31 जनवरी 1981 से प्रभावित।

एस० एन० घोष  
सचिव

#### कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1981

सं० आर०-12/19/5/75-बीमा—मुझे अपेक्षित शक्तिया प्रदान करने से संबंधित कर्मचारी राज्य बीमा निगम के संकल्प दिनांक 14 दिसम्बर, 1980 के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा (संधारण) विनियम, 1950 के विनियम 75 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, हरमन्दर सिंह, महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम इसके द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 54 तथा 54-क के प्रयोजनों के लिए कर्मचारी राज्य बीमा (संधारण) विनियम, 1950 के विनियम 75 के अन्तर्गत निम्नलिखित रूप में दूसरे चिकित्सा बोर्ड का गठन करता हूँ—

- |  |         |
|--|---------|
| 1. चिकित्सा अधीक्षक,<br>कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल,<br>बसईनारापुर, दिल्ली | अध्यक्ष |
| 2. शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ,<br>कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल,<br>दिल्ली।      | सदस्य   |

3 चिकित्सा बोर्ड का तीसरा सदस्य अध्यक्ष द्वारा बीमायुक्त व्यक्ति की चोट से संबंधित चिकित्सा की शाखा के आधार पर निम्नलिखित में से सहयोजित किया जाएगा।

- |  |       |
|--|-------|
| 1. विकलांग विभाग के विशेषज्ञ,<br>कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल,<br>दिल्ली।       | सदस्य |
| 2. नेत्र विशेषज्ञ,<br>कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल,<br>दिल्ली।                  | सदस्य |
| 3. नाक, कान, गला विशेषज्ञ<br>कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल<br>दिल्ली।            | सदस्य |
| 4. चिकित्सा विशेषज्ञ<br>कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल,<br>दिल्ली।                | सदस्य |
| 5. प्रसूति तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ,<br>कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल,<br>दिल्ली। | सदस्य |

अधिकारिता :—

बोर्ड की संपूर्ण संघ—राज्य क्षेत्र, दिल्ली में अधिकारिता होगी।

हरमन्दर सिंह, महानिदेशक।

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1981

सं० ए० 15/13/6/4/80-योजना एवं विकास (1) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 5 के उपविनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक ने निश्चय किया है कि निम्न अनुसूची में निर्दिष्ट क्षेत्रों में वर्ग “क” “ख” तथा “ग” के लिये प्रथम अंशदान एवं प्रथम लाभ अवधियां नियत दिवस 14 फरवरी 1981 की मध्य रात्रि को बीमा योग्य रोजगार में लगे व्यक्तियों के लिये प्रारम्भ व समाप्त होंगे जैसा कि निम्न सूची में दिया गया है—

वर्ग	प्रथम अंशदान अवधि		प्रथम लाभ अवधि	
	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है
क.	14-2-81	25-7-81	14-11-81	30-4-82
ख.	14-2-81	28-3-81	14-11-81	26-12-81
ग.	14-2-81	30-5-81	14-11-81	27-2-82

## अनुसूची

केरल राज्य के

“जिला कन्नानूर के ताल्लुक तालीपरम्बा में राजस्व ग्राम वेल्लूर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”

सं० एन० 15/13/6/4/80-योजना एवं विकास (2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 95 के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 15 फरवरी 1981 ऐसी तारख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम, 95-क तथा केरल कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1959 में में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

## अर्थात्

“जिला कन्नानूर के ताल्लुक तालीपरम्बा में राजस्व ग्राम वेल्लूर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”

दिनांक 19 फरवरी 1981

सं० आर० 12/12/1/80-यो० एवं वि० (1):—कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने दिनांक 14 दिसम्बर, 1980 को हुई अपनी बैठक में निर्णय किया है कि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत देय अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ का दर बढ़ाकर दिनांक 1-1-1981 से मानक हितलाभ दर के 125 प्रतिशत से 140 प्रतिशत किया जायेगा। इसने यह भी निर्णय किया है कि अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ का दर में मानक हितलाभ दर के 125 प्रतिशत से 140 प्रतिशत की उपर्युक्त वृद्धि 1-1-81 को या इसके बाद होने वाले दुर्घटना के सभी मामलों पर लागू होगी।

2. निगम के उपर्युक्त निर्णय का प्रभाव वह है कि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की पहली अनुसूची के पैरा 6 में यथा निर्धारित अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ का दैनिक दर 1 जनवरी 1981 को या इसके बाद किसी व्यक्ति को होने वाले रोजगार चोट के सभी मामलों में मानक हितलाभ दर से 40 प्रतिशत अधिक (125 प्रतिशत अधिक के स्थान पर) होगा जिसे पाँच पैसे के अगले गुणांक में पूर्णांकित किया जायेगा।

सं० आर० 12/12/1/80-यो० एवं वि० (2):—कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने दिनांक 14 दिसम्बर, 1980 को हुई अपनी बैठक में निर्णय किया है कि 31 मार्च, 1978 को या इससे पहले होने वाली स्थाई अपंगता या मृत्यु के सम्बन्ध में किसी बीमाकृत व्यक्ति की स्थाई अपंगता या मृत्यु के मामलों में कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के उपबन्धों के अन्तर्गत स्वीकृत स्थाई अपंगता हितलाभ और आश्रितजन हितलाभ का आवधिक अदायगियों की राशि निम्नलिखित सामा तक बढ़ा दी जायेगी:—

(क) ऐसे मामले जहाँ अपंगता मूल राशि का 20 प्रतिशत अपंगता मृत्यु 31-3-75 शत (दिनांक 1-10-77 को अथवा उससे पहले से प्रदान की जा चुकी हुई हो। वृद्धि को छोड़ कर)।

(ख) ऐसे मामले जहाँ अपंगता मूल राशि का 15 प्रतिशत अपंगता मृत्यु 1-4-75 और 31-3-78 के बीच हुई हो।

निगम ने यह भी निर्णय किया है कि उपर्युक्त के अनुसार स्थाई अपंगता हितलाभ तथा आश्रितजन हितलाभ की आवधिक अदायगियों की बढ़ हुई राशि 1 अप्रैल, 1980 से देय होगी।

फर्कर चन्द,  
निदेशक (योजना एवं विकास)

नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1981

सं० आर० 12/15/5/75—सामान्य सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने दिनांक 14-12-1980 को हुई बैठक में निम्नलिखित संकल्प स्वीकार किया है:—

“संकल्प किया जाता है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम महानिदेशक को कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 75 के अन्तर्गत उक्त विनियम में उल्लिखित शर्तों के अनुसार चिकित्सा बोर्ड तथा विशेष चिकित्सा बोर्ड के गठन के संबंध में निगम में निहित शक्तियों का प्रयोग करने के लिए शक्तियाँ प्रदान करता है।”

के० एस० सेठी, उप बीमा आयुक्त

## छावनी बोर्ड, खास चोल

खास चोल छावनी, दिनांक 24 फरवरी 1981

सं० एस० आर० ओ० के० वाई०/जी०/8/14—चूँकि खास चोल की छावनी में भवनों के उद्घाटन अथवा पुनर्स्थापन को नियमित करने के लिए कुछ प्रारूप उपनियमों को आगे फिर संशोधित करने के लिए उपनियमों का सार्वजनिक नोटिस, भारत सरकार के परवर्ती प्रतिरक्षा विभाग की अधिसूचना सं० 40 दिनांक 15 अगस्त, 1942 के साथ प्रकाशित, जैसा कि छावनी अधिनियम, 1924, (1924 का 2) की धारा 284 की उपधारा (1) के अधीन अपेक्षित है, छावनी बोर्ड खास चोल के नोटिस संख्या के वाई०/जी०/8/14, दिनांक 13 जून, 1980 द्वारा उक्त नोटिस के प्रकाशन की तिथि से तीस दिनों की अवधि के भीतर आपत्तियाँ तथा सुझाव आमन्त्रित करने हेतु प्रकाशित किया गया था, और चूँकि उपरोक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त की गई सभी आपत्तियों तथा सुझावों पर छावनी बोर्ड द्वारा विधिमत

विचार कर लिया गया है; और चूंकि केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप उपनियमों को विधिवत अनुमोदित तथा पुष्ट कर दिया है जैसे कि उक्त अधिनियम की धारा 284 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 186 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त छावनी बोर्ड एतद्वारा निम्नलिखित उपनियम बनाता है, नामतः :—

1. यह उपनियम खास शोल छावनी भवन उत्पादन तथा पुनर्स्थापन उपनियम 1980 कहे जाएंगे।
2. वे सरकारी राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होंगे।
3. खास शोल छावनी में भवनों के उत्पादन अथवा पुनर्स्थापन को नियमित करने के लिए उपनियमों में (इसके पश्चात् उक्त उपनियमों के रूप में उल्लिखित) उपनियम एक का परन्तु छोड़ दिया जाएगा।
4. उक्त उपनियमों के उपनियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम सम्मिलित किए जाएंगे; नामतः :—
5. क—सड़क की भूमि की सन्निधि में उत्पादनों पर प्रतिबन्ध :—

किसी भी तरफ की सड़क की भूमि के किनारे से चार मीटर की समस्तर दूरी के भीतर कोई भी भवन, सीमादीवार, प्राकार, जबूतरा, अथवा सोढ़िया अथवा निजी खुली नाली उत्पापित नहीं की जाएगी।

5. ख—सड़क संयोजनों की सौसधि में उत्पादन पर प्रतिबन्ध :—

सड़क संयोजनों की स्थिति में सड़क की भूमि के किनारे से किसी भी तरफ 5 मीटर की समस्तर दूरी के भीतर तथा संयोजन पर मिलने वाली सभी सड़कों पर 30 मीटर की लम्बाई तक किसी भी प्रकार की निर्माण अनुमत नहीं होगा।

4. उक्त उपनियमों के उपनियम 10 के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम सम्मिलित किए जाएंगे नामतः :—

“10 क—दुकानों के सामने बरामदे का प्रावधान :—

प्रत्येक दुकान के सामने दुकान पर आने वाले ग्राहकों की सुविधा के लिए कम से कम दो मीटर चौड़ा खुला बरामदा होगा।

10ख सेप्टिक टैंक की अवस्थिति :—

1. प्रत्येक सेप्टिक टैंक इस प्रकार बनाया तथा अवस्थित किया जाएगा कि यह आस पास के निवासियों की सुरक्षा तथा स्वच्छता पर प्रभाव नहीं डालेगा तथा न ही उनके आराम में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा।

2. अभीष्ट सेप्टिक टैंक के निर्माता से जो सार्वजनिक अथवा निजी भूमि संबंधित न हो उस सार्वजनिक भूमि अथवा

निजी भूमि पर कोई भी ऐसा निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा।

5. उक्त उपनियमों के उपनियम 12 के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम सम्मिलित किया जाएगा, नामतः :—

“12क—सड़कों इत्यादि पर छज्जे प्रक्षिप्त नहीं होंगे।

सर्वसाधारण स्थान सड़क, गली अथवा रास्ते की तरफ प्रक्षिप्त होने वाला कोई भी छज्जा निर्मित नहीं किया जाएगा न ही ऐसा कोई निर्माण सड़क की भूमि के किसी भी तरफ के किनारे से 4 मीटर की समस्तर दूरी के भीतर स्थित भूमि पर ससक्त होगा।

6. उक्त उपनियमों के उपनियम 15 के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम सम्मिलित किया जाएगा, नामतः :—

15. क—स्वीकृति की शर्तें

छावनी बोर्ड द्वारा छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 181 की उपधारा (1) के अधीन प्रदान की गई प्रत्येक स्वीकृति इस शर्त के अधीन होगी की आवेदक निर्माण कार्य के छावनी बोर्ड द्वारा निरीक्षण किए जाने के बारे में समय पर सूचना तथा उपयुक्त अवसर देगा, तथा इस प्रयोजन के लिए अधिशासी अधिकारी को निम्नलिखित शरणों लिखित रूप में नोटिस देगा, नामतः :—

(क) नींव खोदने के तुरन्त पश्चात् परन्तु चिनाई का कार्य प्रारम्भ होने से पहले;

(ख) छत के त्तर तक पूर्ण हो जाने के तुरन्त पश्चात् परन्तु छत डालने से पहले, तथा

(ग) भवन के पूर्ण हो जाने से तीस दिनों के भीतर (फाईल सं० 12/11/सी०/एल० एंड सी०/79)।

[यू० एस० परमार,  
छावनी अधिशासी अधिकारी खासयोल

छावनी परिषद, महु, छावनी

महु छावनी, दिनांक 20 फरवरी 1981

का० वि० आ० 7409/टी०-शो टैक्स (प्रदर्शन कर) के प्रारूप की सार्वजनिक सूचना छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) धारा 61 अनुसार छावनी परिषद सूचना क्रमांक 7408 टी०/3979 दिनांक 26-12-1979 को आपत्ति एवं सुझाव दिनांक 25 जनवरी 1980 तक प्राप्त करने हेतु प्रकाशित किया गया,

और उपरोक्त सूचना को छावनी के सूचना पटलों पर दिनांक 26 दिसम्बर 1979 प्रकाशित किया गया,

और जनता द्वारा जो आपत्ति या सुझाव कथित प्रारूप के उपरोक्त दिनांक के प्राप्त हुए उन पर छावनी परिषद द्वारा विचार विमर्श हुआ;

और केन्द्रीय शासन द्वारा प्रस्तावित कर के कथित प्रारूप को उक्त अधिनियम धारा 60 के अनुसार अनुमोदन एवं पुष्टि करण प्रदान किया गया,

अतः अब छावनी अधिनियम 1924 की धारा 60 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा केन्द्रीय अधि-सूचना का० नि० आ० 59 दिनांक 3 फरवरी 1969 का प्रकाशन भारत राजपत्र में दिनांक 15 फरवरी 1969 को प्रकाशित करते हुए छावनी परिषद, महू छावनी की सीमा में कर जो कि शो टैक्स (प्रदर्शन कर) के नाम से जाना जाता है आरोपित करनी है और जिसकी दर का उल्लेख निम्नांकित सूची में दर्शाया गया है,

ऐसा होने पर शो टैक्स (प्रदर्शन कर) उन चल चित्रों के प्रदर्शन पर नहीं वसूला जाएगा जो कि परमार्थ या लोक-हित के अभिप्राय से संबंधित हों या किसी संस्था के सहायतार्थ

या जन हितैषी हों। इसके किसी भी विवाद में परिषद का निर्णय अंतिम होगा।

### सूची

क्र०	विवरण	दर
1.	चलचित्र प्रदर्शन	रु० 5 प्रति प्रदर्शन
2.	नाटक, सर्कस, कार्निवल, जादूगरी का प्रदर्शन, (व्यवसायिक)	रु० 5 प्रति प्रदर्शन

(डी० जी० डी० एल० एण्ड सी० फाइल क्रमांक 53 सी० एल० एण्ड सी० 79)

(बी० के० श्रीवास्तव)

छावनी अधिशासी अधिकारी, महू

### दफ्तर पंजाब वक्फ बोर्ड

अम्बाला कैंट, दिनांक 11 फरवरी 1981

म० अक्र जी० एन०/पी० डब्ल्यू० बी०/721—पंजाब वक्फ बोर्ड के रेजुलेशन नम्बर 5(3) दिनांक 30-11-76

के अनुसार जो अधिकार दफ्ता 27 वक्फ एक्ट की कार्रवाई करने के लिए मुझे दिए हैं मैं निम्नलिखित जायदाद को मुफ्री वक्फ घोषित करता हूँ।

क्रम सं०	जिला तहसील	कहाँ स्थित है	वक्फ का नाम	खसरा नं०	क्षेत्रफल वर्ग फीट	उद्देश्य	विवरण
1.	महेन्द्रगढ़ नारनौल	नारनौल	मस्जिद	8182	3223	धार्मिक	सेक्रेटरी पंजाब वक्फ बोर्ड एक्स-
2.	महेन्द्रगढ़ महेन्द्रगढ़	बवाना	कब्रस्थान	468 अहता नं० 342	बीध-बिस्वा 2—16	धार्मिक	अफिशियो मृतवत्ती के इस्तजाम में है।

संख्या नं० 1 सरवे रजिस्टर के क्रम संख्या 301 पर मस्जिद (वक्फ) लिखी हुई है।

संख्या नं० 2 नकल नक्शा पैमाइश आबादी और खसरा पैमाइश में कब्रस्थान दिखाया गया है।

ह० अपठनीय

सेक्रेटरी, पंजाब वक्फ बोर्ड, अम्बाला छावनी

### STATE BANK OF INDIA CENTRAL OFFICE

Bombay the 11th February 1981

#### NOTICE

The following appointment on Bank's staff is hereby notified :—

Shri A. M. Mariappan, has assumed charge as Chief General Manager, Kanpur Circle as from the 2nd February 1981.

The 16th February 1981

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri P. K. Sen has assumed charge as Chief Inspector (Mobile Duty), Central Office, Bombay as from the 6th February 1981.

The 17th February 1981

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri C. L. Khemani has assumed charge as Principal, Institute of Rural Development of the Bank at Hyderabad as from the 16th February 1981.

R. P. GOYAL,  
Dy. Managing Director  
(Personnel & Services)

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS  
OF INDIA

New Delhi-110 002, the 29th January 1981

(Chartered Accountants)

No. 20 CM(Exam)/Nov/80.—In pursuance of Regulation 179 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India hereby notifies that none of the candidates who had appeared in the Corporate Management Course (Parts I & II) Examinations held in November, 1980 has been successful in the examination.

## Summary of Results:

Total number of candidates appeared in Part I of the examination 2

Passed NIL

Total number of candidates appeared in Part II of the examination 1

Passed

P. S. GOPALAKRISHNAN,  
Secy.

V. RAJARAM,  
President

New Delhi, the 7th February, 1981

No. 5-CA(26)/80-81.—With reference to this Institute's Notification No. 4-CA(1)/19/79-80 dated 15th March 1980 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from 2nd January, 1981 the name of Shri Ramniwas Goyal, F.C.A., 7A-190, Faridabad 'Haryana'. His membership No. is 7545.

The 10th February 1981

No. 8-CA(17)/80-81.—In pursuance of Clause (iv) of Regulation 10(1) read with Regulation 10(2) (b) of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled with effect from 1st August, 1980 as they had not paid their annual fees for Certificate of Practice for the year 1980-81 till 31st Day of July, 1980.

S. No.	Membership No.	Name and Address
1	2	3
1.	4146	Shri Ranjeet Singh Bhandari, F.C.A., E-63, Masjid Moth, Greater Kailash Enclave II, New Delhi-110 048.
2.	4330	Shri Trilok Chand Jain, F.C.A., 5526, Nai sarak, Delhi- 110 006.
3.	5331	Shri Ramesh Chand Jain, F.C.A. B-68, Vivek Vihar, Delhi- 110 032.
4.	9171	Shri Davinder Vacher, F.C.A., Engunjobi, Sulaimon & Co., 54 E Ado Bayero Road, P.O. Box 1223, Kano.
5.	9706	Shri Vinod Kapoor, A.C.A. Hoechst Afghanistan AG, P.O. Box 477, Kabul, Afghanistan.
6.	10030	Shri Madan Gopal, F.C.A., P.O. Box 580, Tanzania Audit Corporation, Dar-Es-Salaam, Tanzania.
7.	10040	Shri Amar Nath Nagpal, A.C.A., B.B. 260, Salt Lake, Calcutta -7700 064.

1	2	3
8.	11273	Shri Parmod Kumar Garg, F.C.A., 502, Nirmal Tower, 26, Barakamba Road, New Delhi-110 001.
9.	12004	Shri K. Suyamburaj, A.C.A., 35, Ram Nagar, New Delhi-110 055.
10.	12446	Shri Brij Mohan Maingi, F.C.A., D-60, Narain Vihar, New Delhi-110 028.
11.	13986	Shri Vinod Kumar Passi, A.C.A., 873, East Park Road, Karol Bagh, New Delhi-110 005.
12.	14099	Shri Vinod Kumar Nagpal, F.C.A., E-184 Greater Kailash-I, New Delhi-110 048.
13.	15912	Shri Parmod Kumar Gupta, A.C.A., 1240, Rang Mahal, Behind Novelty Cinema, Queen's Road, Delhi-110 006.
14.	16028	Shri Kapil Kumar Gupta, F.C.A., C/o Mr. J.P. Gupta, 77, Katra Asharfi, Chandni Chowk, Delhi.
15.	16085	Shri Hari Om Goel, A.C.A., 295(MIG) Prasad Nagar, New Delhi-110 005.
16.	17907	Shri Deepak Mahta, A.C.A., 26/25, East Patel Nagar, New Delhi-110 008.
17.	80167	Shri Hemant Kumar Goel, A.C.A., 14-U.B. Bunglow Road, Delhi-110 007.
18.	80180	Shri Deepak Madhok, A.C.A., D-125, East of Kailash, New Delhi.
19.	80272	Shri Ram Gopal, A.C.A., 169, Birla Old Lines, Delhi-110 007.
20.	80274	Shri Anil Kumar Sharma, A.C.A., 3rd Floor, Flat No. 8, Mahalaxmi Market, Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi-110 006.
21.	80298	Shri Harvinder Pal Singh Manchanda, A.C.A., 3/15-A, Asif Ali Road, New Delhi.
22.	80525	Shri Sushil Kumar Jhamb, A.C.A., C/o. Vardhman Spinning & General Mills Ltd., Chandigarh Road, Ludhiana.
23.	80873	Shri Subhash Chander Sharma, A.C.A., A-513, Pragati Vihar Hostel, Near Dayal Singh College, Lodhi Road, New Delhi-110 023.
24.	80889	Shri Ashok Kumar Bagga, A.C.A., 114, Bharat Nagar (Bhoor), Ghaziabad-201 001.
25.	81123	Shri Sanjiv Kapoor, A.C.A., Flat No. 172, D.D.A., Prasad Nagar, M.I.G., New Delhi-110 005.

No. 8-CA(18)/80-81.—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled from the date

mentioned against their names, as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

S. No.	Membership No.	Name & Address	Date of Cancellation
1.	15606	Shri Raj Kumar, A.C.A., F-28, Ashok Vihar-I, Delhi-110 052.	21-9-1980
2.	80224	Shri Girish Chander Chopra, A.C.A., B/3/B, 35-C, Janak Puri, New Delhi-110 058.	21-6-1980
3.	80980	Shri Ashok Kumar Aggarwal, A.C.A., C/o Associated Pulp & Paper Mills Limited, B-Jadav Chambers, 2nd Floor, Ashram Road, Ahmedabad-9.	27-6-1980
4.	81132	Shri Pravin Kumar Gupta, A.C.A., Tata's Sijua Colliery, P.O. Bhatland, Distt. Dhanbad.	11-9-1980
5.	81150	Shri Virender Kumar Gandhi, A.C.A., Accounts Officer, Indian Oil Corporation Ltd. (RD) Gujarat Refinery, PO : Jawahar Nagar-391320, Distt. Baroda (Gujarat),	23-6-1980
6.	81357	Shri Raj Kumar, A.C.A., 1128, Timarpur, Delhi- 110007.	16-9-1980

P. S. GOPALAKRISHNAN  
Secretary

Calcutta, the 9th December 1980

No. 4ECA(7)/80-81.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of members of this Institute on account of death, kumar Ghosh, 92-B, Saptaparni, 58/1 Ballygunge Circular Road, Calcutta-700019. His membership number was 2670.

P. S. GOPALAKRISHNAN,  
Secretary

#### SOUTHERN REGIONAL SECRETARIAT

Madras, the 10th February 1981

No. 5CCA(6)80-81.—With reference to this Institute's Notification No. 4SCA(1)/9/79-80 dated 15th March 1980 and Notification No. 4SCA(1)/10/78-79 dated 5th March 1979, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :

S.No.	M. No.	Name & Address	Date of Restoration
1.	4663	Shri D. Natarajan, A.C.A., Flat No. 5, Lucky House, 13th Road, Chembur, Bombay-400 071.	5-1-1981
2.	18362	Shri P. Srinivasan, A.C.A., Chartered Accountant, 118-C, M.K. Amman Koil Street, Mylapore, Madras- 600004.	21-1-1981

P. S. GOPALAKRISHNAN,  
Secretary

Kanpur, the 12th February 1981

No. 5CCA(5)/80-81.—With reference to this Institute's Notification No. 4CCA(7)/79-80 dated the 31st March 1980, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from 21st November, 1980 the name of Shri Laxman Das Lashwani, A.C.A., Chief Accounts Officer, Chandpur Sugar Co. Ltd, Chandpur, Bijnor (U.P.) His membership number is 70163.

No. 5CCA(6)80-81.—With reference to this Institute's Notification 4CCA(1)/17/78-79 dated the 29th January, 1979 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of the Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from 22nd December, 1980 the name of Shri T. V. Jagannathan, A.C.A. 4, Thiagappa Mudali Street, Kilpauk, Madras-600 010 His membership number is 15694.

No. 5CCA(7)/80-81.—With reference to this Institute's Notification No. 4CCA(7)/79-80 dated the 31st March 1980, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from 5th December 1980 the name of Shri Suresh Kumar Kothari, A.C.A Vill - Khandu Banswara (Raj). His Membership number is 9605.

No. 5CCA(8)80-81.—With reference to this Institute's Notification No. 4CCA(7)/79-80 dated the 31st March, 1980, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from 3-1-81 the name of Shri Kanahia Lal Tandon, A.C.A. C/o Shri Radri Nath Tandon, Neralganj, (Neral) Via. P. O. Rumaiddha, Distt : Bahraich (U.P.). His membership is 15387.

P. S. GOPALAKRISHNAN,  
Secretary

#### THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta, the 6th January 1981

(Cost Accountants)

CWR(1)/81 : The following draft of certain amendments to the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, proposed to be made in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (3) of Section 39 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, (Act No. 23 of 1959), is published for information of persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up for consideration on or after 18th March 1981.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India

In the said Regulations :

I. In Regulation 25A, the following proviso shall be added, namely :

"Provided that no application received in this behalf after the expiry of one year from the date of cancellation of registration under Regulation 25 shall be entertained."

II. The existing second proviso to Regulation 29, now obsolete, shall be deleted.

III. For the existing sub-regulation (2) of Regulation 30, the following new sub-regulation shall be substituted, namely:

"(2). A candidate shall be admitted to any or all Groups of the Intermediate Examination, provided that he has produced the certificate referred to in sub-regulation(1) of this Regulation."

IV. For the existing Regulation 31, the following new Regulation shall be substituted, namely:

"31. *Groups, Papers and Syllabus for Intermediate Examination*—Students registered on or after 1st October 1982 shall be examined for the Intermediate Examination under this Regulation. Students registered prior to 1st October 1982 who are candidates for the Intermediate Examination to be held from December 1983 shall also be examined under this Regulation. The Groups, papers any syllabus for the Intermediate Examination under this Regulation shall be as follows:

#### GROUP I

##### 1. Principles and Practices of Management

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective:** To provide a basic understanding of the processes of management so that the relevance of Cost and Management Accounting concepts and techniques, to be developed later, can be better appreciated.

**Level of Knowledge:** Basic understanding.

**Syllabus:** The concept of management—The process of management, planning, organising, staffing, directing and controlling.

**Determining the nature of work of a manager in terms of the Processes of management.**

**Universality of the principles of management—Evolution of management thoughts—Recent trends in management thoughts—Management as a profession.**

(A) **Planning:** (1) Goals: objectives, standards, targets quotas, dead lines; (2) Standing plans, policies, procedures and methods; (3) Projects—special programmes and scheduling; (4) Hierarchy of planning; group or sectional, departmental or divisional, functional and company-wise planning; (5) Planning process: statement of problem, determination of alternatives, collection of facts, analysis, decision on action and execution.

(B) **Organising:** Nature of internal organisation of a business enterprise: Formal and informal organisation; Principles of organisation: Grouping of activities: (a) typical pattern of grouping by products, services, location customers, processes, functions and time; (b) criteria for grouping activities—specialisation, control, co-ordination, attention economy, etc. Creating a network of relationships through determining the authority and responsibility of the positions created: (a) concept of authority: delegation chain of command, authority and responsibility, decentralisation, span of control; (b) levels of authority—staff kinds of staff, nature of staff works, advisory services and control, line and staff relations; (c) lateral relations—committees and their roles. (C) **Staffing:** Staffing function selection, man-power needs, man-power position, training, rating and evaluation, man-power development, human resources appraisal and accounting.

(D) **Directing:** Nature of directing: Motivation: Bases of motivation: fear, money, satisfaction—Importance of behaviour individual needs needs of organisation: factors influencing performance: work environment, communication group dynamics—formal and informal

**Communication:** Nature media and channels, systems barriers aids, structured and unstructured

**Leadership:** Nature styles (autocratic, consultative, free) attitudes leader behaviour, leader effectiveness, situational leadership models

(E) **Control:** Concept of managerial control: control of personnel vs performance; areas of performance control: product finance, morale; process of control: standards, appraisal and corrective actions; control aids: good organi-

sation structure; sanity of objectives and policies; methods, procedures, budgets, etc.

**Management of public undertakings—principles and applications.**

##### 2. *Economic Environment of Business*

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide an understanding of economic theories and practices and influence of economic forces on business decisions with special reference to Cost and Management Accounting and Control.

**Level of Knowledge :** Basic concepts and working knowledge.

**Syllabus :**

##### *Section I : Theoretical Framework*

**Elements of Environment of Business :** Economic and non-economic elements—their interactions.

**Nature and Functions of Economic System :** Capitalism, Socialism and the Mixed Economy. The Units of the economic system and the optimisation goals. Organisation of the business units. Market Relationships.

**Basic Macro-Economic Concepts :** Central Problems of every economic society—Supply and Demand, the bare elements—National Income and Product; Social Accounting—Savings, consumption and investments—Income determination, the simple multiplier theory.

**Money, Banking and Credit :** Policies relating thereto.

**Synthesis of monetary analysis and income analysis.**

**Public Finance and International Trade :** Policies relating thereto.

**Current International Economic Problems.**

**Income-inequality.**

**Anatomy and the functioning of an economy.**

**Economic Policies :** Fiscal, Monetary and Physical Policies (Controls and Regulations).

**Economic Planning :** Concepts and types of plans—steps in planning, techniques of planning; Investment planning—use of shadow prices on planning—consumption planning.

**Economic Problems of fluctuations and growth :** Inflation, unemployment, the trade-off and other issues.

**Economic trends and structural changes :** Growth and development—long run strategy and policy issues—Development and physical environment.

##### *Section II : Business Environment in India*

**Indian Economic Problems and Developments :** Indian economic system—evolution of the present economic system—different sectors of the Indian economy, i.e. agricultural, industrial, business, etc.

**Current Economic Policy Statements and Proposals :** Agricultural, industrial, monetary, fiscal, budgetary, foreign trade, wages, income, prices, employment policies and policies relating to the multinationals.

**Features of economic legislations influencing environment :** Company Law, MRTP Act, FERA, Capital issues control.

**National Economic Planning :** Planned economic development since 1951; Objectives, achievements and constraints. Five Year Plans. The private, public, joint and co-operative sectors of the economy. The capital market, consumption, investment and liquidity functions.

**Current Economic trends and tendencies :** Income, savings and investment. The growth factors—the agricultural situation—the industrial situation—foreign trade and payments position—money, credit, finance and prices—economic problems and prospects.



## 3. Business Mathematics and Statistics

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide the foundation on which further techniques having a quantitative bias can be built up and for their application in solving business problems.

**Level of Knowledge :** Basic understanding and working knowledge.

**Syllabus :**

**Section I : Business Mathematics (50 marks)**

(A) *Algebra* : Ratio, proportion and variations; indices; Surds; Arithmetic Geometric and Harmonic Progressions; Summation of series—Finite and Infinite series; Permutation and Combination; Binomial theorem; Logarithms; Exponential and Logarithmic series; Interest and Annuity.

Nature of the roots of Quadratic Equations; Relation Between roots and co-efficients of a Quadratic Equation Forming Quadratic Equations (Real co-efficients); Inequalities; Elementary properties; Determinants and Matrices: Determinants of order 2 & 3; Types of Matrices—Matrix Algebra, Addition, Subtraction and Multiplication of Matrices; inverse of Matrices. Application of Matrices and determinants in solving linear equations.

Equations and Identities : General forms of equations of different degrees—Solutions of Linear, Quadratic and simple simultaneous equations.

(B) *Plane Analytic Geometry* : Rectangular Cartesian Coordinates: Length of a line segment; section ratio; gradient of a line. Equations of straight lines, circles, parabolas and hyperbolas (Standard forms only).

(C) *Calculus* : Development of the number systems; Variables, constants and functions; Graphs of functions; Limits of algebraic functions; Derivatives: rules for differentiation, meaning of derivative, partial differentiation. Maxima and Minima of algebraic functions. Integration (Integration by substitution and by parts); Definite Integral and Integral as an area.

(D) *Mensuration* : Circumference of circle; Area of triangle, parallelogram, polygon, circle (Including sector, segment and annulus); Area of irregular figures; Volume and surface of cube, prism, cylinder, pyramid, cone, frustum sphere (Including zone and segment) and anchor ring; Sides and areas of similar figures.

**Section II : Business Statistics (50 marks)**

**Introduction** : Methods of presenting Statistical Information: Graphs, Charts and Diagrams; Frequency distribution; Measures of central tendency: Mean, Median Mode; Measures of dispersion; Range, semi-interquartile range, mean deviation, standard deviation, variance; Measures of skewness and kurtosis.

**Probability Theory** : Sets and set operations; Definition of Probability—Independent and Dependent events, mutually exclusive events; Total and compound Probability; Repeated Trials; Mathematical Expectations; Theoretical distributions: Binomial, Poisson and Normal; Elements and Subjective Probability (Bayesian).

**Sampling** : Population and samples: Simple, Random and Stratified Sampling: Use of Rand Numbers; Simulated Sampling. Sampling distributions, testing of hypothesis and statistical estimation.

**Forecasting Techniques** : Curve fitting and method of least squares; Correlation and Regression; Multiple and Partial Correlation; Factor Analysis; Time Series: Secular trend, cyclical, seasonal and irregular fluctuations.

**Index Numbers.**

**Analysis of variances.**

**Interpolation** : Forward, Backward and Central Rules (No proofs needed).

## GROUP II

## 4. BUSINESS LAWS

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide an understanding of the basic legal principles and concepts as applicable to business. Candidates will not be expected to master various sections of laws and interpretations including case laws.

**Level of Knowledge :** Basic understanding

**Syllabus :**

**Section I : Commercial Laws (50 marks)**

The Indian Contract Act, Sale of Goods Act, Indian Partnership Act, Negotiable Instruments Act.

**Section II : Industrial Laws (50 marks)**

The Factories Act, Industrial Disputes Act, Payments of Wages Act, Employees State Insurance Act, Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, Payment of Bonus Act, Payment of Gratuity Act.

## 5 ACCOUNTANCY

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide an indepth knowledge of accounting principles and their application in different situations.

**Level of Knowledge :** Adequate and application oriented.

**Syllabus :** Theory of Accounting; Single and Double Entry Ledgers, Trial Balance, Manufacturing, Trading, Profit and Loss and Profit and Loss Appropriation Accounts, Balance Sheets.

Distinction between Capital and Revenue; Depreciation; Reserves and Provisions; Reserves and Sinking Funds.

Accounts Current and Average Due Date, Negotiable Instruments, Packages and Containers, Goods on Sale or Return, Consignments, Voyage and Joint Ventures Accounts, Partnership Accounts including dissolution of partnership; Goodwill and problems connected therewith; Investment Accounts; Receipts and Payments Account; Income & Expenditure Account; Departmental Accounts and Branch Accounts (including foreign branches); Total Accounts and Sectional Balancing; Royalty; Hire purchase and Instalment payment purchase.

Company Accounts; Issue, Forfeiture and Redemption of Shares and Debentures Profits prior to incorporation, Divisible Profits and Dividends, Statements, Returns and other accountancy provisions under Companies Act; Miscellaneous problems on Company Accounts.

**Accounting Ratios.**

**Preparation of Accounts from incomplete records.**

## 6. PRINCIPLES OF AUDITING &amp; INTERNAL AUDITING

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objectives :** To provide an insight into the principles, philosophies, methods and techniques of auditing so as to provide the foundation on which the concepts, techniques and methods of cost audit can be built up. To provide an understanding of how internal appraisal of a firm operations are to be carried out so as to provide the foundation on which further concepts with a management and social orientation can be developed.

**Level of Knowledge :** Advanced level

**Syllabus :**

**Section I : Principles of Auditing (50 marks)**

Evolution of auditing—major influences on auditing—nature and scope of auditing—basic concepts of auditing—role of evidence in auditing.

Auditing techniques and practices—Generally accepted auditing standards—the concept of materiality in auditing.

Verification of assets and liabilities—fixed assets, investments, inventories, debtors, loans and advances, cash and bank balances, loans, debentures and creditors, provisions for taxation, proposed Dividend and Gratuity—other items

in the Balance Sheet. Verification of items in the Profit and Loss Account—Contingent liabilities—Disclosure of accounting policies and practices. Expenditure during the period of construction. Adjustments for previous year. Provisions of the Companies Act regarding accounts.

Nature of Internal Control—Evaluation and audit of Internal Control, Internal Control Questionnaires. Flow Charts, Systems Audit, Internal Auditing.

Auditing in depth—Statistical sampling in auditing.

Use of ratios and percentages for comparisons and analysis of trends, inter-firm and intra-firm comparisons.

Appointment of Auditors, remuneration, removal, rights and duties of Auditors. Joint Auditors, Branch Audits.

Audit Report—Report versus Certificate: Contents of the Report—Qualifications in the Report.

Divisible Profits—Provisions of the Companies Act—Important legal decisions—Provisions of the Income Tax Act.

Section II : Internal Auditing (50 marks)

Nature and scope of Internal Auditing—Financial vs. Operational Audit—Concepts of Efficiency Audit, Propriety Audit, Voucher Audit, Compliance Audit, Pre and Post Audit.

Impact of the Manufacturing and other Companies (Auditors' Report) Order, 1975 on the Internal Auditing function.

Organisation of the Internal Auditing function—Selection and Training of Staff—Assignment of Audit Projects—Organisational status of the Internal Auditing function—Scope for Audit Committees.

Planning the Internal Audit Project : Familiarisation—Preparing Check list, Internal Control Questionnaires, Audit Programmes.

Verifications of Evidence—Detailed checking versus sampling plans, Statistical sampling as used in Internal Auditing.

Flow Chart Techniques.

Internal Control—Nature and scope. Internal Auditor and Internal Controls.

Field Work : Collecting evidence—Interviews—Memoranda.

Audit Notes and working papers.

Audit Reports—Techniques of Effective Reporting, Follow up of Audit Reports.

Summary Reports to Top Management.

Communication in Internal Auditing—Improving auditor-auditee relationships.

Auditing the functions of an enterprise, such as accounting and finance, inventory control, procurement, production, marketing, maintenance, personnel, branches and depots, research and development.

Internal Auditor and the Investigation of Frauds.

Auditing the Internal Auditing function.

### GROUP III

#### 7. COSTING—PRIME COST AND OVERHEAD

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

Objective : To provide an in-depth study of the various components of cost, their accounting and their management control.

Level of Knowledge : Thorough understanding.

Syllabus : Development of Cost Accounting—Meaning and implication of Cost Accounting. Classification of Cost.

Materials : Purchasing and Receiving—Classification and coding of Materials Inventory Management and Control Fixation of maximum, minimum and ordering levels (FOO). Purchase Requisitions, Purchase Order, Standing Order

quantity, Follow up of Purchase Orders, Inspection, Return to Suppliers. Goods received notes, Pricing of Receipts.

Storage : Organisation and layout of stores; Material Handling Cost, Bin Cards, Stores Routine.

Issues of Materials : Stores Issue Requisitions; Returns from shop floor, Pricing of Material issues and returns, consumption control.

Material Accounting and Stock Control: Stores Ledgers, Direct and Indirect Materials, Material Abstract, computation of Material Cost per unit of output. Detecting, location and prevention of slow and non-moving or obsolete materials, Maintenance of Insurance spares, Material Cost Reporting.

Physical Verification: Organisation of physical verification work, periodical and perpetual inventory, investigation and analysis of discrepancies according to causes for corrective action; treatment of the discrepancies.

Labour : Labour routines, Classification of Labour, Time Keeping, Time Booking, Payroll preparation, Disbursement of wages.

Principles and methods of remuneration, various wage payment and incentive systems.

Accounting Control and Reporting: Direct and Indirect Labour: Accounting of Labour Cost, Computation of Labour Cost rates, measures of performance and cost, Idle time, Overtime, Labour Turnover, Labour Cost Reporting.

Chargeable Expenses and Problems connected therewith.

Overhead : Classification according to functions—production, selling, distribution, administration, research and development. Classification according to variability—fixed, semivariable and variable.

Overhead Cost Accounting : Collection, allocation, departmentalisation and absorption of Overhead Costs.

Accounting and control of production, selling, distribution, administration, research and development costs. Computation and use of predetermined recovery rates. Treatment of under and over absorption of Overhead Costs. Reports for control of Overhead Costs.

Miscellaneous : Capacity costs; Treatment of depreciation in costs.

#### 8. COSTING—METHODS AND TECHNIQUES

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

Objective : To provide an in-depth study of the techniques and methods of costing employed in various types of production enterprises employing different kinds of production systems and to stress the importance of cost planning and cost control.

Level of Knowledge : Thorough understanding.

Syllabus :

Accounting : Cost Ledgers: Reconciliation of Cost and Financial Accounting, Integral or Integrated Accounting.

Methods of Costing : Job Costing; Batch Costing; Contract Costing; Process Costing; Operation Costing; Operating Costing; Unit Costing; Multiple Costing; By-products and joint products.

Cost Techniques and Methods of Control :

Marginal Costing : Basic concepts; Break-even analysis and cost-volume-profit analysis; Break-even charts and profit charts; Differential cost analysis; Stock valuation under Marginal Costing techniques versus Absorption Costing techniques.

Budgets and Budgetary Control : Objectives; Functional Budgets; Fixed and Flexible Budgets; Budget Period; Budgetary Control Reports; Budget Revisions.

Standard Costing : Concept and uses—Accounting methods and Reconciliation—stock valuation.

Variance Analysis : Cost, Profit and Sales Variances—Presentation of variances—Investigation of variances—Revision of standards.

Reporting : Requisites of Reports—Interpretation and uses by Management.

Uniform Costing and Inter-Firm Comparisons.

*Miscellaneous* : Treatment of special expenses in costs such as research and development, preliminary expenses, recination expenses, costs of obsolescence, etc.; Tools, patterns and designs; Productivity; Mechanisation of Accounts; Accounting and control of waste, scrap, spoilage, detectives, etc.; cost plus system.

*Installation and Organisation* : Necessity and importance of Cost Accounting, What Management expects of Cost Accounting, Cost Department Organisation and relationship with other Departments, Installation of a Costing system and modification thereof. Planning and Progressing of Accounting. Design of Forms and Records.

## 9. PRODUCTION, PRODUCTIVITY—COST EFFECTIVENESS

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

*Objective* : To provide a basic understanding of the methods and techniques of production; the economist of effective utilisation of resources and the techniques employed to ensure optimum use of the resources.

*Level of Knowledge* : Basic understanding.

*Syllabus* :

*Production Processes* : Class of Machines and Machine Tools, Assembly lines, Process Plants, Multipurpose Plants.

*Production Economics* : Analysis of problems involving location of Production Units, Service and Distribution Units, Procurement centres; Economics of Multishifts, Economics of Product mix, Economics of Layout; Efficiency in Material Handling; Optimum utilisation of Multipurpose Plants, Maintenance—Prevention and Breakdown; Product Planning; Amount of Capacity (Scale and Displacement), Process Planning, Plant Planning, Controlling Quality level (S. Q. C.), Maintaining Facilities, Scheduling Finished output, Scheduling Production stages, Controlling Output Cost. Optimum utilisation of installed capacity; Rectification of unbalanced Plants. Economics of substitutability of product, market, channel, raw material, personnel, quality, supplies, etc. *Product usage*: Obsolescence—Technological and Product obsolescence.

*Standardisation and Product Designs* : Organisation for Production—Production Decision—Production Planning and Control technique.

*Productivity Concept and Technique* :

Work Measurement; Benefits of work measurement, techniques of work measurement: Time study, work sampling; Time record, predetermined time standard, work estimation; MTM application of work measurement techniques.

*Job Evaluation* : Job analysis and specification; Job evaluation methods; Ranking methods; Job specification methods; Job classification methods, Factor comparison method; Point method, Job evaluation and merit rating.

*Cost Reduction and Value Analysis* : Techniques, Principles and Procedures, Measurement and Implementation.

Measurement of Productivity of Labour, Material, Capital and Management.

Learning Curve.

Human aspects of Productivity (Motivation, Morale, discipline, Resistance change, Incentives, etc.)

V. In sub-regulation (1) of Regulation 32, the following shall be added at the end, namely :

"This Regulation including its sub-regulations (2) and (3) and the syllabus prescribed thereunder shall cease to operate from 1st October 1983 and shall stand deleted from that date."

VI In Regulation 32A, for the words "Exemption from individual subjects in the Intermediate Examination shall be granted as follows : (1) A candidate who has passed.....", the following shall be substituted, namely :

"(1) A candidate who is registered as a student before 1st October 1982, and who has passed.....".

VII. In the existing sub-regulation (1) of Regulation 32A, in clause (a), the words prescribed in Regulation 31 or Regulation 32" appearing at the end, shall be deleted.

VIII. In the existing sub-regulation (1) of Regulation 32A, in clause (b), delete the words "in the subjects shown in Column I of the table below", and for the words "in that subject, shall be exempted from the paper shown in Column II or Column III, as the case may be", insert the words "in Economics or Engineering, shall be exempted from the paper Economics or 'Factory Organisation and Engineering', as the case may be".

IV. In the existing sub-regulation (1) of Regulation 32A, the Columns I, II and III and the subjects mentioned underneath the said Columns shall be deleted.

X. In Regulation 32A, the existing sub-regulation (2), (3) and (4) shall be deleted.

XI. In Regulation 32, the following shall be added as new sub-regulation (2), (3), (4) and (5) namely :

"(2) In the case of candidates registered as students on or after 1st October 1982, the Council shall have the power to decide, and shall decide, from time to time, the individual subjects from which exemption may be granted, strictly on reciprocal basis, to students who have passed such examinations of such professional institutes/bodies in India or abroad, as may be recognised by the Council in this behalf.

(3) The Council shall also have the power to decide, and shall decide, the individual subjects/Groups of the Intermediate Examination from which a candidate who is admitted as a fresh Registered student under Regulation 25A shall be exempted on the basis of exemption from individual subjects/Groups previously secured by him under his former registration.

(4) The Council shall also have the power to decide, and shall decide, the individual subjects/Groups from which exemption shall be granted on transitional basis due to commencement of syllabus prescribed in Regulation 31.

(5) The sub-regulations (1) and (4) of this Regulation shall cease to operate from 1st October 1983 and shall stand deleted from that date and on such deletion the sub-regulations (2) and (3) of this Regulation shall be renumbered as sub-regulations (1) and (2) respectively, when this sub-regulation shall also stand deleted and the Regulation 32A shall be renumbered as Regulation 32."

XII. In Regulation 33, in sub-regulation (1), the first and second provisions thereto shall be deleted and in the third proviso, the word "further" shall be deleted.

XIII. In regulation 33, for the existing sub-regulation (2), the following new sub-regulation shall be substituted, namely :

"(2) A candidate shall be admitted to any or all Groups of the Final Examination, provided that he has produced the certificate referred to in sub-regulation (1) of the Regulation".

XIV. For the existing Regulation 34, the following new Regulation shall be substituted, namely :

"34. Groups, Papers and Syllabus for Final Examination. The first examination with the Groups, papers and syllabus prescribed in this Regulation shall be held in December 1983. Students who pass the Intermediate Examination after 1st October 1982 and all other students appearing at the Final Examination to be held from December 1983 shall be examined under this Regulation. The Groups, papers and syllabus for the Final Examination under this Regulation shall be as follows :

### GROUP I

#### 1. QUANTITATIVE TECHNIQUES, MANAGEMENT INFORMATION SYSTEMS & DATA PROCESSING

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

*Objective* : To provide a systematic study of selected quantitative tools and techniques that could be utilised for effective

business decisions and to expose the Professional Accountants to the growing field of information technology.

**Level of Knowledge :** A good awareness of the concepts, principles and applications.

**Syllabus :**

**Section I : Quantitative Techniques (60 marks)**

Meaning—Nature and scope of Operations Research—Potential application areas—Specified techniques and basic phases in tackling OR problems.

Linear Programming : Concept and formulation of L. P. models; Working on simplex algorithm—Interpretation of final results; Transportation and Assignment Techniques.

Monte Carlo Simulation; Two-Person Zero-Sum Games.

Decision Trees for decision making and risk analysis—Application of Decision Trees in investment decisions, pricing strategy and competitive bidding.

Net Work Analysis (PERT/CPM) :

Drawing an arrow net work and numbering the events. Estimation of job duration and concept of earliest and latest event times. Concept of critical path and probability considerations. Assumptions in PERT analysis. Crashing a network and determining of project cost trade-off. Scheduling a net work with various constraints like manpower, equipment, etc. Monitoring and control. MOST, LOB & GERT.

Elementary ideas of other OR Techniques like DCF Analysis, Inventory Control, Waiting Line Models, Input-output Techniques, Replacement and Maintenance Models.

**Section II : Data Processing (40 Marks)**

The Systems approach to Management—Management and System Concepts—A System of Organisation and Management.

Management Information Systems and Management Co-operating System—components of total Management Information Systems : Marketing, Inventory, Manufacturing, Financial, Personnel and Long range planning—Basic Information System—Development towards integrated Management Information Systems.

Data Processing and Computers—Systems Designs and Analysis : Basic Computer languages—Cobol, Autocoder and Fortran—Computer based systems for decision making—programmed or non-programmed decisions. Use of Mini-computers and Microprocessing in business.

## 2. ECONOMIC LEGISLATION

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide an in-depth knowledge of corporate laws so as to appreciate their impact on corporate decisions.

**Level of Knowledge :** Advanced level.

**Syllabus :**

**Section I : Company Law (50 Marks)**

The Companies Act and Rules and Schedules framed under the Act by the Central Government including any revisions, amendments or consolidations of the Act, Rules or Schedules that may take place upto the date six months previous to the date of examination.

**Section II : Other Economic Laws (50 Marks)**

MRTPL Act, 1969 : MRTPL Commission and its powers. The Industries (Development and Regulation) Act, 1951 : Industrial Development Council. Essential Commodities Act, 1944 : Government Price Control Orders regarding Drugs and Pharmaceuticals, Cement, Tyres, Vanaspathi, Steel, etc.; Role of Tariff Commission and BICP : Procedures to be complied with under the Act. Foreign Exchange Regulations Act : Compliance with the provisions of the Act.

## 3. MANAGERIAL ECONOMICS

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide an understanding of the micro-economic concepts that are relevant and useful to make effective business decisions.

**Level of Knowledge :** Basic understanding.

**Syllabus :**

Meaning, scope and methods of Managerial Economics.

Economic concepts relating to business : Demand and supply, production, distribution, consumption and consumption function, cost, price, competition, monopoly, profit, optimisation, margin and average, elasticity, micro and macro analysis.

Demand Analysis and Business Forecasting : Market structure, factors influencing demand elasticities and demand level, demand analysis for various products and situations, determinants of demand, durable and non-durable goods, long run and short run demand, derived and autonomous demand, industry and firm demand.

Cost and Production Analysis : Cost concepts from Accountancy to Economics, conditions for a rational economic utilisation of Accounting, short term and long term cost-output relationships, cost of multiple products, economics and diseconomies of scale, production functions, cost control, cost and profit forecasting, breakeven analysis. Theory of Marginal Cost; calculation of Marginal Cost and applications. Production control and inventory management and determination of optimum programmes.

Market Analysis : Competition, kinds of competitive situations, oligopoly and monopoly, measuring concentration of economic power.

Pricing Decisions, Policies and Practices : Pricing and output decisions under perfect and imperfect and monopolistic competition; oligopoly and monopoly pricing methods. Specific pricing problem, price discrimination, price forecasting.

Profit Management : Role of profit in the economy, nature and measurement of profit, profit policies, policies on profit maximisation, profits for control, profit planning and forecasting.

Marketing Management : Marketing decision under risk and uncertainty, product decisions, market analysis and test marketing, pricing decisions, advertising decisions, promotional decisions, distribution decisions.

Capital Budgeting : Concepts relating to demand for and supply of Capital, Capital rationing, cost of Capital, Capital Budgeting under risk and uncertainty.

Econometrics in the service of Business : Economic indicators of business; Market studies; Business cycle fluctuation : Applications in long term forecasting; Market Dynamics; Business Policy; Ecological conditions of demand.

## GROUP II

### 4. ADVANCED ACCOUNTANCY

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide a detailed insight into Accounting principles and their applications to complex business and non-business situations.

**Level of Knowledge :** Advanced level.

**Syllabus :**

Higher treatment of the areas covered in the Intermediate Syllabus and a critical study of the Companies Act, Rules and Schedules will be expected. In addition, the following topics are to be studied :

**Section I : Theory (50 Marks)**

Accounting principles, concepts and conventions. Inventory valuation for the Balance Sheet and for the Cost Sheets under the Cost Accounting Records Rules. Methods of providing depreciation : records of fixed assets, choice of depreciation method. Design of Accounts. Concept of Income. International Accounting Standards—their recommendations.

**Section II : Problems (50 Marks)**

Higher aspects of Company Accounts : Amalgamation, absorption and reconstruction of companies, alteration of share capital, reduction of capital, valuation of shares and goodwill, stock exchange transactions, holding and subsidiary

companies, consolidated Balance Sheet and Profit and Loss account for a group of companies. Accounts of Banks and Insurance Companies. Farm Accounting. Treatment of Life Policies taken in payment of debts due Double Accounts System. Claims for loss of stock, loss of profits and other compensations including marine insurance claims Accounting of hospital, educational and professional organisations, non-profit undertakings. Accounting of Hotel and Transport undertakings. Government and municipal budgets and accounting.

### 5 TAX LAWS AND TAX PLANNING

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective.** To provide an indepth knowledge of Tax Laws and their impact on management decisions and more particularly to emphasise the role of the tax factors in the use of Management Accounting techniques.

**Level of Knowledge.** Adequate level.

#### Syllabus

##### Section I. Direct and Indirect Tax Laws

##### Direct Tax Laws (40 Marks)

A comprehensive study of Income Tax Act, Companies (Profit) Surtax Act, Gift, Wealth and Estate Duty Acts.

Case law governing capital and revenue expenditure, deemed income, residence concept.

Special problems centering on the concept of assessee : registered firm, HUF, Association of persons and Trusts—minors, non-residence and double taxation.

Problems covering heads of Income. Salaries, perquisites, gratuity and retirement benefits. Income from house property, Capital gains, Income from other sources, Income from business and profession. Problems arising from aggregation of income, set off and carry forward of losses.

Tax administration, appeals, revisions, review, rectification and application to CBDT.

Acquisition proceedings, principles of valuation, movable and immovable property.

##### Indirect Tax Laws (20 Marks)

Excise, Customs and Central Sales Tax Laws Important provisions of the Acts and the practice

##### Section II Tax Planning (40 Marks)

Tax implications in planning the legal status of Business Unit, firm, private limited company and public limited company. Tax implications in (a) receiving foreign collaboration (b) giving collaboration abroad, i.e. prompting Indian business abroad, subsidiaries, outright sale of knowhow, equity participation, etc. Tax aspects of merges and amalgamations. New Industrial Establishment and Tax Planning Tax implication of holding company vs conglomerate expansion. Companies (Profits) Surtax Act and Financial Planning. Tax Incentives and Export Promotion. Personal Taxation Foreign and Indian. Capital Gains and Tax Planning. Tax aspects of investments. Tax implications in developing capitalisation structure (a) short term loans, (b) deposits from public, (c) term loans, (d) bonus issues and (e) dividend policy. Taxation of company in which public are not substantially interested.

### 6. MANAGERIAL FINANCE

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide a detailed insight into the financial environment of the business and indepth study of the techniques of financial planning and control and decision making employed in economic organisations.

**Level of Knowledge :** Advanced level.

#### Syllabus

**Management of Corporate Finance** Nature of Investment and Financing Decisions—Decision criteria; Liquidity—profitability, cost and risk, The art and science of Financial Management.

**Techniques of Financial Forecasting :** Fundflow Analysis, Ratio Analysis, Projecting financial statements.

**Working Capital Management :** Assessing working capital requirements, financing working capital, control of working capital. Inventories and Accounts Receivable.

**Capital Expenditure.** Project appraisal, economic, technical and financial feasibility studies, DCF, risk evaluation and sensitivity analysis. Simulation for risk evaluation—Measurement of cost of capital and determining rate of return for project decisions—Social cost and social benefits analysis of projects—Linear Programming and Capital Budgeting decisions—Financial control and follow up of projects evaluated under DCF techniques. Concept of cost of capital and its application in Capital Budgeting decisions.

**Sources of Company Finance.** Deposits from public, term loans, bonds, preference shares—Financial institutions in India. Negotiating term loans with banks and financial institutions—Appraisal of term loans by financial institutions in India. Underwriting of securities : current practice in India. Internal funds as a source of finance : Dividend policy and rate of retention—Bonus shares. Equity Capital as a source of finance—Rights issue and issue premium—Government regulations of issues of securities in India—Prospects for issue of securities, understanding and interpretations Basic valuation concepts. Corporate Taxation and its impact on corporate financing Inflation and its impact on corporate finance.

**Expansion :** Diversification strategies; mergers and amalgamation—setting up joint ventures abroad Joint sector projects and investment decisions.

**Role of debt in Indian Environments.** Developing optional capitalisation structure.

**Investment portfolio decisions** with particulars reference to banks, insurance companies and trusts—applications of linear programming techniques. Management of investment in divisions of a company.

**Financial Management in Public Enterprises.**

### GROUP III

### 7 ADVANCED COST AND MANAGEMENT ACCOUNTANCY-ANALYSIS AND CONTROL

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective.** To provide a conceptual frame work of the planning, control and decision-making processes in business and to identify the cost data relevant for the purpose.

**Level of Knowledge :** Emphasis will not be on actual solution but on identification of problems and formulating them into structures of related techniques.

#### Syllabus

##### Section I Cost Management (50 Marks)

**Cost Analysis and Management Decisions** Concept of costs, expenses and losses, Product and Period costs; Direct and Indirect costs, Variable and Fixed costs, Engineered capacity and managed costs, controllable and non-controllable costs, out-of-pocket, allocated and imputed costs, opportunity cost, sunk cost, marginal costs, incremental cost, joint costs; Concepts of costs relevance to purpose of managerial decisions, breakeven analysis; its applications and limitations—Cost-Volume-Profit analysis.

**Production Cost Analysis :** Analysis of cost of production for managerial decisions involving: Make or Buy, Idle Capacity, Plant Shutdown, Process further or Sell, Equipment Replacement, etc. Cost/benefit analysis for activities like Inventory control, Quality control, Maintenance, Optimisation of Product Mix, Disposal of waste, Plant Location and Expansion Decision, Developing Manufacturing Budgets.

**Marketing Cost Analysis :** Classification of Marketing costs and their behaviour for the purpose of control, cost analysis of marketing projects, tasks and programmes; Decision involving product development, acceptance of contracts and submitting tenders, Capital Budgeting, perspective of product development, pricing decisions, cost pricing, rate of return pricing, competitive pricing, marginal cost pricing, export pricing, pricing of joint products and by-products; Cost/benefit analysis of marketing segments such as product line, territory

channel, size of order, etc.; Evaluation of salesman's performance, evaluation of distribution alternative, warehouse location decisions, logistics of distribution; Cost/benefit analysis of advertising, distribution of samples, promotion aids, etc.; Marketing Audit.

**Marketing Budgeting :** Sales budget; Budgeting sales forces, quota fixation, developing sales force compensation plans; Budgeting of advertising.

**Personnel Cost Analysis :** Payment of salaries/compensation and bonus to Managerial Personnel including Directors; Limitation; Payment of salary free of tax, compensation to foreign technicians; Profit-sharing Plans to Executives—Cost Analysis for such areas as Labour and Executive turnover, Recruitment, Training and Development, Employee Welfare fringe benefits, Overtime; Cost analysis for committee management, Participative management; Human Resources Accounting; Developing personnel budget, concept of flexible budget; Personnel audit.

**Concept of Control :** Operations control and management control; Key variable of managerial performance. Developing objective standards for measuring the key variables; Analysis of inputs in terms of engineered capacity and managed cost; Concept of responsibility budgeting; Reporting system for control; Control of performance of organisational units : divisions, departments, cells, etc.; Control of functions and activities which cut across organisational units like recruitment, training, committee work, product development, samples promotion, etc.

**Government and Cost Accounting :** Cost Investigation and Cost Audit for price fixation in respect of goods subject to price control. Cost Accounting for protection and grant of subsidy; Statutory Cost Audit under Section 233 B of the Companies Act and the records to be maintained as a prerequisite.

**Other Uses of Cost :** Price approval by Central Excise authorities; Cost plus contracts; Export incentives such as drawback and cash subsidy; International Accounting Standards, Sandilands Committee's Report (UK) on current Cost Accounting and thereafter; Zero-base budgeting; Role of Cost Accounting in projects financed by IBRD & International Development Association; Companies with foreign technical/financial collaboration. Executive Incentive Scheme; Recurrents of financial institutions for cost data, cost management and value engineering.

#### Section II : Management Control (50 Marks)

**Financial Goal-setting :** Analysis of incremental ROI : Sensitivity analysis; Developing financial goals along organisational hierarchy; Concept and techniques of responsibility budgeting; Analytical framework for responsibility budgets; Integrating responsibility budgets; Integrating responsibility budgeting with MBO system.

**Organisational Growth :** Responsibility centres and profit centres; identification and creation of profit centre as a control system; decentralisation of profit centres.

**Mechanics of determining Profit :** Objectives of profit centres, problems and perspectives of transfer pricing, lines programming techniques for determining divisional goals in a multidivisional company, problems of growth and corporate control.

**Control in special Sectors :** Scrap control, Control of R & D Project control; Administrative Control; Audit : Efficiency Audit, Internal Audit, Government Cost Audit, Management Audit.

**Review of Cost Accounting System** of cost centres, allocation procedures, budgeting system, information reporting system and control, pricing problems and practices and overall planning and control approaches in industries to which the Cost Accounting (Records) Rules are applicable.

### 8. ADVANCED COST AND MANAGEMENT ACCOUNTANCY-METHODS & TECHNIQUES

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide a detailed study of Cost Accounting techniques with a quantitative bias which could be employed for effective planning and control of operations and to improve the quality of decisions.

**Level of Knowledge :** Emphasis will be not on actual solutions, but on identification of problems and formulating them in structures of the related techniques.

#### Syllabus :

**Cost Analysis for Profit Planning :** Matrix theory and cost allocation; Application of learning curve models to profit planning; Cost-volume-profit analysis; Multiple regression analysis approach; Forecasting and measuring with correlation analysis; Profit measurement through statistical correlation; Capacity utilisation and contribution margin; Opportunity cost; Application of Mathematical Programming.

**Profit Planning and Budgeting :** Breakeven analysis and Linear Programming; Application of curvi Linear breakeven analysis; cost-volume-profit analysis under conditions of uncertainty; Budgeting with Network analysis; PERT cost.

**Costing and Pricing :** Role of cost in pricing joint products; Multiple product costing and multiple correlation analysis; Application of L. P. to determining profitability of products involving joint costs.

**Cost Control :** Evaluation of training expenses; Management Accounting for Research and Development; Applying L. P. to pay structure; Model for Human Resource utilisation; Controlling inventory: A practical Approach; Application of probability to cost control reports; L. P. and Accounting Information Model; Productivity costing and Management, use of control charts for cost control.

**Business Growth :** Techniques of measuring growth.

**Inflation Accounting Techniques.**

**Business Cost/Benefit Analysis.**

**Programme Budgeting in Government :** Conceptual framework for programme budgeting the role of cost utility analysis in programme budgeting; the procedure for developing programme budget.

**Performance Budgeting :** Project budgeting and evaluation; Government Accounting aspects; Physical measurement and analytical aspects, informational and control aspects.

### 9. COST AND MANAGEMENT AUDIT

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

**Objective :** To provide an indepth study of the body of knowledge comprising of the techniques and methods of planning and executing a Cost Audit Assignment.

**Level of Knowledge :** Advanced level for Section I and adequate awareness and understanding of theories and problems for Section II.

#### Syllabus :

##### Section I : Cost Audit (75 Marks)

**Nature, Objects and Scope of Cost Audit :** The concepts of Efficiency Audit, Propriety Audit, Management Audit, Social Audit.

**Appointment of Cost Auditor :** His rights, duties, responsibilities, status, relationship and liabilities, professional and legal, under the Companies Act, 1956 and the Cost and Works Accountants Act, 1959 and other statutes.

**Planning the Audit :** Familiarisation with the industry, the organisation, the production process systems and procedures, List of records and reports; Preparation of the Audit programme. Verification of records and reports : Utilisation of statistical sampling methods; Verification of proformas and statements under the Cost Accounting (Record) Rules, Evaluation of Internal Control System : such as Budgetary Control, Capacity Utilization, Inventory Control, Management Information System. Assessment of the adequacy of internal Audit Function. Audit notes and working papers, Audit Reports to Management.

**Cost Audit Reports :** Contents of the Reports; Distinction between 'Notes' and 'Qualification' to the Statements.

**Professional Ethics :** Relationship between the statutory Financial Auditor, the Internal Auditor and the Statutory Cost Auditor.

*Other services to the Management:* Certificates to be issued for various purposes; the records to be verified and the safeguards to be taken. Cost Audit as an aid to Management. Productivity Audit: Labour, Material and Capital. Efficiency Audit, Internal Audit of subsystems.

#### Section II : Management Audit (25 Marks)

*Meaning, Nature and Scope:* Organisation necessary to do a Management Audit. Evaluation of corporate image.

*Corporate Service Audit (Consumer Services):* Products, R & D and import substitution, customers, channels (Export etc.)

*Corporate Development Audit:* Evaluation of Personnel Development, Impact of Environmental Pollution. Social Cost and Social Benefit of Business Enterprise, Audit of social responsibilities of Management.

### 10. CORPORATE PLANNING AND POLICY

(One Paper—Three Hours—100 Marks)

*Objective:* To expose students to the principles of Corporate Planning and Policy.

*Level of Knowledge:* Adequate level.

*Syllabus:*

*Planning:* Nature and scope of corporate planning; Distinction from the elemental planning involved in the functions of management; Continuity of corporate plans; Connection between corporate plans and total industry plans and the national plans. Corporate plans as scales of reference in the long run.

Contents of corporate plans; Time horizon; Determinants of corporate goals; Viewpoints in goal setting; Hierarchy. Factors guiding formulation of corporate plans. Resource marshalling and deployment. Resources allocation process. Contingency approach to corporate planning; Situation analysis.

*Techniques of corporate planning.* Relevance of projective analyses; Formulation of econometric models at the enterprise level; OR Techniques: Statistical analyses of trends and projections. Short term plans; Determination of goal; Specific managerial action or tactics. Medium term corporate plans; Overall plans and sectoral-functional plans; Links between corporate objectives and plans; Realization of goals; Feedback process; Shifting, analysing and interpreting data from internal and external sources.

Long range corporate planning; time period in view; Determinants of time horizon; External and internal resources and constraints—competition, market behaviour, personnel, technology, product life cycle and other relevant aspects. Inter-plant, inter firm, inter-industry and inter-sectoral links. Perspective planning on a national scale, with special reference to the principles and practices of targetary, methods and procedures. Corporate planning as a subset global planning of multinationals.

*Policy:* Nature and scope of corporate policy; Determinants of corporate policy; Policy-strategy-tactic framework. Features of corporate policy: credibility, acceptability, respectability, feasibility, social desirability and contribution to goal satisfaction. Policies and business environment; Corporate policies and resources deployment. Supervening impossibilities and policy changes. Distinction between the approaches of public and private corporate sector.

Overall company policy; production policy, policy for procurement, stocking, inspection, etc., Marketing policy, logistics and distribution policy, personnel policy, pricing policy, product and product-mix policy, financial policy, etc. Sensitizing policies to requirements in different areas of enterprise operations. Policy audit. Policy framework of multinationals.

*Strategy:* Nature and scope of corporate strategy; Elements of corporate strategy; Determinants of corporate strategic plans strategy; Structure interface: Thrust and parity in strategic planning; Strategy of functioning on existing lines; Strategy of diversification; Strategy of growth; Strategic management. Overall strategy: functional strategies, specific strategic plans. Strategy audit. Strategy pursued by multinationals.

*Tactic:* Nature and scope of tactics in corporate planning; Method of pinpointed action; Development of check points; Changes required in approaches; Handling specific tasks. Tactical problems in business techniques and approaches. Corporate policy and strategy in India covering; public and private sector; large, medium and small scale enterprises; domestic and export marketing; and high, medium or low capital intensity implying potentials of employment generation or output in varying degrees."

XV. In sub-regulation (1) of Regulation 35, the following shall be added at the end, namely:

"This Regulation including its sub-regulations (2) and (3) and the syllabus prescribed thereunder shall cease to operate from 1st October 1983 and shall stand deleted from that date."

XVI. In Regulation 35A, for the words "Exemption from individual subjects at the Final Examination shall be granted as follows: (1) A candidate who—", the following shall be substituted, namely: "(1) A candidate who is registered as a student prior to 1st October 1982 and who—"

XVII. In the existing sub-regulation (1) of Regulation 35 A, in Clause (a), for the words "shown in Column I or Column II, as the case may be", and the Columns I and II and the subjects mentioned underneath the said Columns, Substitute the following, namely:

"Advanced Accountancy and Taxation".

XVIII. In Regulation 35A, delete Clauses (c) and (d) of the existing sub-regulation (1) and also delete sub-regulation (2).

XIX. In Regulation 35A, the following shall be added as new sub-regulation (2), (3), (4) and (5), namely:

"(2) In the case of candidates registered as students on or after 1st October 1982, the Council shall have the power to decide, and shall decide, from time to time, the individual subjects from which exemption may be granted, strictly on reciprocal basis, to students who have passed such examinations of such professional institutes/bodies in India or abroad, as may be recognised by the Council in this behalf.

(3) The Council shall also have the power to decide, and shall decide, the individual subjects/Groups of the Final Examination from which a candidate who is admitted as a fresh Registered Student under Regulation 25A shall be exempted on the basis of exemption from individual subjects/Groups previously secured by him under his former registration.

(4) The Council shall also have the power to decide, and shall decide, the individual subjects/Groups from which exemption shall be granted on transitional basis due to commencement of syllabus prescribed in Regulation 34.

(5) The sub-regulations (1) and (4) of this Regulation shall cease to operate from 1st October 1983 and shall stand deleted from that date and on such deletion the sub-regulations (2) and (3) of this Regulation shall be renumbered as sub-regulations (1) and (2), respectively, when this sub-regulation shall also stand deleted and the Regulation 35A shall also be renumbered as Regulation 35".

XX. In Regulation 41, in sub-regulation (2), for the words, "for a pass in Group III of the Intermediate Examination held under Regulation 31 or Regulation 32 or Group II of the Final Examination held under Regulation 34 or Group III of the Final Examination held under Regulation 35," the following words shall be substituted, namely:

"for a pass in Group III of the Intermediate or Final Examination"

S. N. GHOSH  
Secretary

Calcutta, the 14th February 1981

Nor 16-CWR(324-325)/81.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has struck off from the



Register of Members, on account of death, the names of the following Members :

1. Shri P. A. Subramanian, MA, AICWA,  
Regional Internal Audit Officer,  
Modern Bakeries (India) Ltd.,  
Madras-600 020, (Membership No. M/4858),  
with effect from 14th December 1980.
2. Shri Purna Chandra Deb, BSC, FICWA,  
Financial Adviser  
Fertilizer (P&D) India Ltd.,  
Sindri—829 122, (Membership No. M/1818)  
with effect from 31st January 1981.

S. N. GHOSE,  
Secy.

## EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 13th February 1981

No. R-12/19/5/75-Ins.I.—In exercise of the powers under Regulation 75 of the Employees State Insurance (General) Regulation 1950 read with Resolution of the Employees' State Insurance Corporation dated 14th December, 1980 conferring upon me the requisite powers, I, Har Mander Singh, Director General, Employees' State Insurance Corporation do hereby constitute a second Medical Board under Regulation 75 of the Employees State Insurance (General) Regulation 1950 for the purposes of Section 54 & 54-A of the PSI Act as under :—

### Chairman

1. The Medical Superintendent,  
ESI Hospital,  
Basal Darapur,  
Delhi.

### Members

2. Surgical Specialist,  
ESI Hospital,  
Delhi.
3. The third member of the Medical Board will be co-opted by the Chairman from one of the following depending upon the Branch of Medicine concerning injury of the insured person :—
  - (i) Specialist of Orthopaedics,  
ESI Hospital,  
Delhi.
  - (ii) Eye Specialist,  
ESI Hospital,  
Delhi.
  - (iii) FNT Specialist,  
ESI Hospital,  
Delhi.
  - (iv) Medical Specialist,  
ESI Hospital,  
Delhi.
  - (v) Specialist in Obstetrics  
and Gynaecology,  
ESI Hospital,  
Delhi.

**Jurisdiction :—**The Board will have jurisdiction throughout the Union Territory of Delhi.

HAR MANDER SINGH  
Director General

New Delhi, the 18th February 1981

No. N-15/13/6/4/80-P&D(1).—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has determined that in the areas specified in the Schedule given below the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 14th February, 1981 as indicated in the table given below :—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A	14-2-1981	25-7-1981	14-11-1981	30-4-1982
B	14-2-1981	28-3-1981	14-11-1981	26-12-1981
C	14-2-1981	30-5-1981	14-11-1981	27-2-1982

### SCHEDULE

"The areas within the Revenue village of Vellur in Taliparamba Taluk of Cannanore District in the State of Kerala."

No. N-15/13/6/4/80-P&D(2).—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 15th February, 1981 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Kerala Employees State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1959, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Kerala namely :—

"The areas within the Revenue village of Vellur in Taliparamba Taluk of Cannanore District in the State of Kerala."

The 19th February 1981

No. R-12/12/1/80-P&D(1).—The Employees' State Insurance Corporation at its meeting held on the 14th December, 1980, decided that the rate of disablement and dependants' benefit payable under the Employees' State Insurance Act, 1948, shall be enhanced from 125% to 140% of the standard benefit rate with effect from the 1st January, 1981. It further decided that the above increase in disablement and dependants' benefit rate from 125% to 140% of Standard benefit rate shall be applicable to all those cases where the accident occurs on or after the 1st January, 1981.

2. The effect of the above decision of the Corporation is that the daily rate of disablement and dependants' benefit as prescribed in para 6 of the First Schedule of the Employees' State Insurance Act, 1948, shall be at the rate forty per cent more (in place of twenty five per cent more) than the standard benefit rate rounded to the next higher multiple of five paise, in all cases where a person sustains employment injury on or after the 1st January, 1981.

No. R-12/12/1/80-P&D(2).—The Employees' State Insurance Corporation at its meeting held on the 14th December, 1980, decided that the amount of periodical payments of permanent disablement benefit and dependants' benefit sanctioned under the provisions of the Employees' State Insurance Act, 1948, in cases of permanent disablement or death of an insured person where such permanent disablement or death occurred on or before the 31st March 1978, shall be enhanced to the following extent :—

(a)	Cases where the disablement or death occurred on or before 31.3.1975.	20% of the basic amount (excluding the increase already granted with effect from 1.10.1977).
(b)	Cases where the disablement or death occurred between 1.4.75 and 31.3.1978.	15% of the basic amount

The Corporation also decided that the enhanced amount of periodical payments of permanent disablement benefit and



dependants' benefit as above shall be payable with effect from 1st April, 1980.

FAQIR CHAND,  
Director (Pig. & Dev.)

New Delhi, the 19th February 1981

No. R-12/15/5/75.—It is notified for general information that the Employees' State Insurance Corporation, at its meeting held on 14-12-1980, adopted the following resolution :

Resolved that the Employees' State Insurance Corporation empowers the Director General to exercise the powers vested in the Corporation under Regulation 75 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 in regard to constitution of the Medical Boards and Special Medical Boards in accordance with the terms and conditions laid down therein."

K. S. SETHI,  
Dy. Insurance Commissioner

#### CANTONMENT BOARD, KHAS YOL CANTONMENT

Khas Yol, the 24th February 1981

No. SRO KY/G/8/14.—WHEREAS a public notice of certain draft bye-laws further to amend the bye-laws for regulating the erection or re-erection of buildings in the Cantonment of Khas Yol, published with the notification of the Government of India in the late Defence Department, No. 40, dated 15th August, 1942, was published as required by sub-section (1) of section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) under the Cantonment Board, Khas Yol Notice No. KY/G/8/14, dated the 13th June, 1980, for inviting objections and suggestions within a period of thirty days from the date of publication of the said notice;

AND WHEREAS all the objections and suggestions received from the public on the said draft have been duly considered by the Cantonment Board;

AND WHEREAS the Central Government have duly approved and confirmed the said draft bye-laws as required by sub-section (1) of section 284 of the said Act;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 186 of the said Act, the said Cantonment Board hereby makes the following bye-laws, namely :—

1. (1) These bye-laws may be called the Khas Yol Cantonment, Erection and Re-erection of Building (Amendment) Bye-law, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the official Gazette.

2. In the Bye-laws for regulating the erection or re-erection of buildings in Khas Yol Cantonment (hereinafter referred to as the said Bye-law) the proviso to bye-law, 1, shall be omitted.

3. After bye-law 5 of the said bye-laws, the following bye-laws shall be inserted, namely :—

"5A—*Restriction on erections in the proximity of road land.*—No building, boundary wall, parapet, steps or stair case or private open drain shall be erected within a horizontal distance of four metres from the edge of the road land on either side.

"5B—*Restriction on erection in the proximity of road junctions.*—In the case of road junctions, no construction shall be permitted within a horizontal distance of five metres from the edge of road land on either side and upto length of 50 metres on all roads meeting at the junction."

4. After bye-law 10 of the said bye-laws the following bye-laws shall be inserted, namely :—

"10A—*Provision of verandah in front of shops.*—Every shop shall have in front open verandah not less than two metres in width for the facility of the customers visiting the shop.

10B—*Location of septic tank.*—(1) Every septic tank shall be so designed and located that it shall not affect

the safety and sanitation of the inhabitants in the neighbourhood for interlare with their convenience.

(2) No such construction shall be made on any public land or private land not belonging to the builder of the intended septic tank."

5. After bye-law 12 of the said bye-laws the following bye-law shall be inserted, namely :—

"12A—*Changes not to project on roads etc.*—No canopy shall be constructed projecting on a public, road, street or passage nor such construction shall be on land situated within horizontal distance of four metres from the edge of road land on either side."

6. After bye-law 15 of the said bye-laws the following bye-law shall be inserted, namely :—

15A—*Conditions of sanction.*—Every sanction granted by the Cantonment Board under sub-section (1) of section 181 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) shall be subject to the condition that the applicant shall give timely intimation and reasonable opportunity of inspection of the work by the Cantonment Board, and for the purpose, give notice in writing to the Executive Officer at the following stages, namely :—

(a) immediately after the foundation has been dug, but before commencing masonry work;

(b) immediately on completion up to roof level, but before putting the roof; and

(c) within thirty days from completion of the building.

(File No. 12/11/C/L&C/79)

U. S. PARMAR,  
Cantonment Executive Officer  
Khas Yol.

#### CANTONMENT BOARD, MHOW CANTONMENT

Mhow Cantonment, the 20th February 1981

S.R.O. 7409/T.—WHEREAS a draft for revision of existing Show Tax was published with Cantonment Board Notice No. 7409/T/3979 dated 26-12-79 as required by Section 61 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), for inviting objections and suggestions till 25th January 1980,

AND WHEREAS the said notice was put on the Cantonment Notice Board on 26th December 1979;

AND WHEREAS all the objections and suggestions received from the public on the said draft before the aforesaid date have been duly considered by the Cantonment Board;

AND WHEREAS the Central Government have duly approved and confirmed the said draft of the proposed Tax as required by section 60 of the said Act;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Section 60 of the said Act, and in supersession of the Govt. Notification No. SRO 59, dated the 3rd February 1969, published in the Gazette of India dated the 15th February 1969 the Cantonment Board, Mhow, hereby imposes a Tax to be known as Show Tax in the limits of Cantonment Mhow at the rate specified in the Schedule annexed hereto:

Provided that, the said Show Tax shall not be levied on film shows on charitable or philanthropic purposes or in aid of any institution or public purposes. The decision of the Board in case of any dispute in this regard shall be final.

#### SCHEDULE

S. No.,	Particulars	Rate
1.	Cinema Show	Rs. 5/- per Show
2.	Drama, Circus, Carnival, Magic Show (Commercial).	Rs. 5/- per Show

(D.G. DL & C File No. 53/10/C/L&C/79).

V. K. SRIVASTAVA  
Cantonment Executive Officer  
Mhow

## OFFICE OF THE PUNJAB WAKF BOARD

Ambala Cantt. the 11th February 1981

No. G.N./PWB/81—In exercise of the powers conferred under section 27 of the Wakf Act 1954 which are exercisable by me under the delegated powers vide Board's Resolution No. 5(3) dated 30-11-76, the following properties are hereby declared as Sunny Wakfs :—

S. No.	District/Tehsil	Location	Wakf	Khasra No.	Area	Purpose	Remarks
1.	Mohindergarh	Narnaul	Mosque	8182	3223 Sq. ft.	Religious	Under the management of the Secretary Pb. Wakf Board Ex-Officio Mutawalli.
2.	Narnaul	Bawana	Qabristan	468	B—B	Do.	
	Mohindergarh			Ahata No. 342	2—16		

Item No. 1 : Has been shown as Mosque (Wakf) as per the Survey Register serial No. 301.

S.I. Ill-gible

Item No. 2 : Shown as Qabristan in the Naqal Az Naqshah Paimaish Abadi and Khasra Paimaish of the village in question.

Secretary, Punjab Wakf Board, Ambala Cantt.

PUNJAB WAKF BOARD AMBALA CANTT  
(ADDENDA)

Add the following in the Government of India Gazette, Part III Section 4, Gazette No. 6 dated February 6, 1971 (Magh 17, 1892) pertaining to District Jullundur.

S. No.	(i) Name of Wakfs	(ii) Location of wakfs		(iii) Details of wakf properties			(iv) Date of year of creation of wakfs	(v) Details of wakf deeds	(vi) Gross receipts	(vii) Grants received	(viii) Nature of objects of each wakf	(ix) Gross income of properties comprised in each wakf	(x) Amount of L.R. cess rates and taxes payable in respect of such property	(xi) How the wakf is administered	(xii) Name of Mutwalli	(xiii) Pay or remuneration of Mutwalli of each wakf	(xiv) Expenses incurred in the realisation of income	(xv) Any other particulars (Remarks)
		(a) Districts	(b) Tehsil	(c) Village where situated	(d) Site on which situated	(a) Area	(b) Boundaries	(c) Value Rs.										
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
2363	Takia	Jullundur	Philbour	Ramewal	K M 3—07	585	—	N.K.	—	Religious	—	—	Under the Management of the Secretary Pb. Wakf Board.					
2364	Masjid	Do.		Ladian (H.B. 209)	8—00 8—00 7—18 6—12	308 310 312 313	—	Do.	—	Do.	—	—	Pb. Wakf Board, Mutawalli Do.					

Sd/- Illegible  
Secretary, Punjab Wakf Board,  
Ambala Cantt.